पटना ● शनिवार, 01 फरवरी 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 6 , अंकः25 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

बॉर्डर न्यूज मिरर

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

"खबरों से समझौता नहीं"

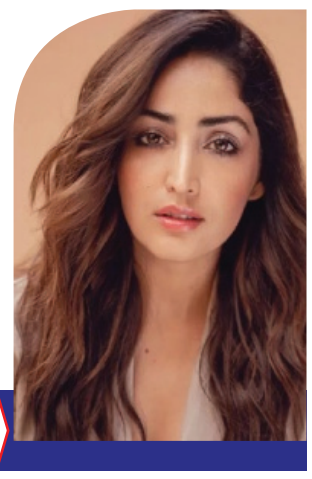

मानव तस्करी रोकथाम को लेकर.... 3 www. bordernewsmirror.com धूम धाम का ट्रेलर रिलीज यामी 7

फिरोजपुर में धुंध में कैंटर-पिकअप की भीषण टक्कर

11 लोगों की मौत,15 लोग घायल,सड़क किनारे बिखरी लाशें

फिरोजपुर (एजेंसी)। पंजाब के फिरोजपुर में सुबह करीब 8 बजे एक बोलेरो पिकअप और कैंटर की टक्कर हो गई। इसमें 11 लोगों की मौत हो गई। जबकि, 15 लोग घायल हो गए। यह हादसा फिरोजपुर-फाजिल्का रोड पर गांव मोहन के उताड़ के पास हुआ। हादसे के वक्त पिकअप में 25 से ज्यादा लोग सवार थे। इनमें से मरने वालों की लाशें सड़क किनारे बिखरी पड़ी मिलीं। जबकि, जख्मी लोगों को पुलिस ने राहगीरों की मदद से अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने

आशंका जताई है कि हादसा धुंध के कारण हुआ है। हालांकि, पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। मरने वालों में एक सुखविंदर नाम का व्यक्ति भी शामिल है, जोकि पांच बहनों का इकलौता भाई था। हादसे को लेकर पंजाब के सीएम सरदार भगवंत सिंह मान ने दुख जताया है। उन्होंने कहा- फिरोजपुर में आज सुबह कैंटर और पिकअप ट्रक के बीच टक्कर होने से बड़ा हादसा हो गया। जिसमें एक शादी समारोह में जा रहे वेटरों की दुखद मौत की खबर आई है और कुछ लोग घायल बताए जा रहे हैं। मैं ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति एवं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। पंजाब सरकार इस कठिन समय में पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है।

अवैध बांग्लादेशियों के खिलाफ ताबड़तोड़ ऐक्शन

केरल में 27 और महाराष्ट्र में 2 बांग्लादेशी किए गए गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों के खिलाफ केरल और महाराष्ट्र में बड़ा ऐक्शन लिया गया। केरल के कोच्चि में अवैध तरीके से रहकर काम कर रहे 27 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि इन बांग्लादेशी नागरिकों को एर्नाकुलम जिले के उत्तरी परवूर क्षेत्र में एर्नाकुलम ग्रामीण पुलिस और आतंकवाद निरोधक दस्ते के संयुक्त

अभियान में गिरफ्तार किया गया। पुलिस के सीनियर अधिकारी ने बताया कि बांग्लादेशी नागरिक पश्चिम बंगाल के प्रवासी श्रमिक बनकर विभिन्न स्थानों पर काम कर रहे थे। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार लोगों से विस्तृत पूछताछ की जा रही है। एर्नाकुलम ग्रामीण जिला पुलिस प्रमुख वैभव सक्सेना ने 2 सप्ताह पहले 28 वर्षीय तस्लीमा बेगम की गिरफ्तारी के बाद 'ऑपरेशन क्लीन' नामक एक विशेष अभियान शुरू किया था, जिसके तहत ये गिरफ्तारियां की गई हैं। वहीं, महाराष्ट्र में वर्सोवा पुलिस ने 2 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है।

एलओसी पर भारतीय सेना को मिली बड़ी कामयाबी

पुंछ इलाके में पाक के दो आतंकवादियों को मार गिराया

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में सेना के जवानों को गुरुवार को बड़ी कामयाबी मिली है। जवानों ने पुंछ में नियंत्रण रेखा को पार करने की कोशिश कर रहे दो घुसपैठियों को मार गिराया है। जानकारी के मुताबिक दोनों आतंकवादी भारी मात्रा में हथियारों से लैस थे। अधिकारियों ने दोनों आतंकियों के मारे जाने की पुष्टि की है। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना गुरुवार को पुंछ जिले के खारी

करमारा इलाके में हुई और सुबह तक तलाशी अभियान जारी रहा। सेना की जम्मू स्थित 'व्हाइट नाइट कोर' ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ''कल रात पुंछ सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर आतंकवादी गतिविधि की जानकारी मिली। सतर्क सैनिकों ने घुसपैठ कर रहे आतंकवादियों पर तुरंत हमला किया, जिसके बाद दोनों तरफ से गोलीबारी हुई।'' सेना ने बताया कि अभियान रात भर जारी रहा। सेना के मुताबिक तलाशी के दौरान क्षेत्र से अब तक बड़ी संख्या में हथियार और गोला-बारुद बरामद हुए हैं। इससे पहले पुलिस अधिकारियों ने सूचना दी थी कि पिछले सप्ताह एक घुसपैठिए को गिरफ्तार किया था।

गुलियन बेरी सिंड्रोम से महाराष्ट्र में 4 की मौत

● पुणे में सबसे ज्यादा मामले,130 मामले किए गए दर्ज

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र में गुलियन बेरी सिंड्रोम (जीबीएस) से चार मौतें हो गई हैं। पिंपरी-चिंचवड में सबसे ज्यादा मामले सामने आए हैं। शुक्रवार को दो और मौतों के साथ कुल मौतों की संख्या चार हो गई है। जीबीएस एक दुर्लभ तंत्रिका संबंधी बीमारी है। यह बीमारी तेजी से शरीर में कमजोरी और लकवा पैदा करती है।

पुणे और पिंपरी-चिंचवड में नई मौतें हुई हैं। पिंपरी-चिंचवड में 36 साल के एक मरीज की मौत हो गई। पुणे में जीबीएस के सबसे ज्यादा 130 मामले दर्ज हुए हैं। राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने 24 जनवरी को एक रैपिड रिस्पांस टीम बनाई थी। यह टीम जीबीएस के बढ़ते मामलों की जांच कर रही है। शुरुआत में 24 संदिग्ध मामले पाए गए थे। स्वास्थ्य विभाग प्रभावित इलाकों में निगरानी कर रहे हैं। सिंहगढ़ रोड इलाके में भी सर्वेक्षण किया गया है। कुल 7,215 घरों का सर्वेक्षण किया गया है। इनमें पुणे महानगर पालिका सीमा में 1,943 घर, चिंचवड महानगर पालिका सीमा में 1,750 घर और ग्रामीण इलाकों में 3,522 घर शामिल हैं। डॉक्टरों के अनुसार बैक्टीरिया और वायरस के संक्रमण से जबीएस हो सकता है। यह संक्रमण मरीजों की रोग प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर कर देता है। जीबीएस बच्चों और युवाओं दोनों में होता है। लेकिन डॉक्टरों का कहना है कि यह महामारी नहीं फैलाएगा। ज्यादातर लोग इलाज से पूरी तरह ठीक हो जाते हैं। जीबीएस एक ऑटोइम्यून बीमारी है। इसमें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली नसों पर हमला करती है। इससे नसों में सूजन आ जाती है और मांसपेशियों तक संकेत नहीं पहुंच पाते। इससे कमजोरी और लकवा हो सकता है। इनमें बैक्टीरिया या वायरस का संक्रमण, सर्जरी, टीकाकरण आदि शामिल हैं। जीबीएस का इलाज दवाओं और थेरेपी से किया जाता है। इसमें इम्यूनोग्लोबुलिन थेरेपी और प्लाज्मा एक्सचेंज शामिल हैं।

कांग्रेस के शाही परिवार ने राष्ट्रपति का किया अपमान

● ये खुद को देश का और आप-दा वाले दिल्ली का मालिक समझते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने द्वारका में रैली की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शाही परिवार का अहंकार देश ने फिर देखा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद को संबोधित किया। उनकी मातृभाषा हिंदी नहीं है, लेकिन उन्होंने बेहतरीन भाषण दिया, लेकिन कांग्रेस का शाही परिवार उनके अपमान पर उतर आया है। राष्ट्रपति ओडिशा आदिवासी परिवार से निकलकर यहां तक पहुंची हैं। ये देश के 10 करोड़ आदिवासियों का अपमान है। जो जमीन से उठकर ऊपर आते हैं, उनको कांग्रेस का शाही परिवार पसंद नहीं करता। गरीब, दलित, आदिवासी और ओबीसी समाज से जो भी लोग आगे बढ़ते हैं, कांग्रेस उनको अपमानित करती है। कांग्रेस और आपदा दोनों में बहुत अहंकार हैं। ये आप-दा वाले खुद को दिल्ली का मालिक बताते हैं। कांग्रेस वाले खुद को देश का मालिक समझते हैं। उन्होंने कहा कि आप-दा वालों ने भ्रष्टाचार का रिकार्ड बना लिया है।

भाजपा दिल्ली को आधुनिक बनाना चाहती है

भाजपा दिल्ली को जितना आधुनिक बनाना चाहती है, उसकी एक झलक यहां द्वारका में दिखती है। केंद्र सरकार ने यहां भव्य यशोभूमि का निर्माण करवाया। इसकी वजह से द्वारका और दिल्ली के हजारों नौजवानों को रोजगार मिला, यहां के लोगों का व्यापार बढ़ा। आने वाले समय में ये पूरा इलाका स्मार्ट शहर होगा। यहां डबल इंजन वाली सरकार चाहिए।

● आप-दा वालों के हर घोटाले की जांच होगी - दिल्ली में घोटाले करके ये आप-दा वाले कालेधन से देश के दूसरे राज्यों में राजनीति चमकाते हैं। विधानसभा के पहले सत्र में ही सीएजी रिपोर्ट टेबल होगी। इसमें आप-दा सरकार के घोटालों का जिक्र है। हर भ्रष्टाचार की जांच होगी। पिछले सालों में आप-दा वालों ने इन्फ्रास्ट्रक्चर बजट नहीं बढ़ाया है। इस साल भी उन्होंने इसके लिए फंड नहीं दिया। ये जनता का पैसा जनता के विकास के लिए नहीं बल्कि अपना प्रचार करने में खर्च करते हैं। ये टीवी पर, अखबारों में, सड़कों के किनारे अपने चेहरे चमकाने के लिए पानी की तरह पैसा बहा रहे हैं, लेकिन आपकी गली, नाली, सीवर, सड़क, पाइपलाइन, इनको बनाने के लिए आप-दा वाले पैसा नहीं देते।

बेचारी महिला बोल भी नहीं पा रही थीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के बजट सत्र की शुरुआत करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कृषि क्षेत्र में आधुनिकीकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में सरकार की योजनाओं को रेखांकित किया। हालांकि, विपक्ष को उनकी यह बात रास नहीं आई। कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी ने शुक्रवार को संसद के बजट सत्र के पहले दिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के संबोधन पर टिप्पणी करते हुए कहा कि राष्ट्रपति अंत तक बहुत थकी हुई नजर आ रही थीं।

राष्ट्रपति का अभिभाषण युवाओं-बुजुर्गों पर फोकस

सोनिया बोलीं-पढ़ते-पढ़ते थक गईं बेचारी,राहुल ने कहा-बोरिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। 18वीं लोकसभा के बजट सत्र का शुक्रवार को पहला दिन था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा के जॉइंट सेशन में 59 मिनट का संबोधन दिया। राष्ट्रपति मुर्मू ने अभिभाषण की शुरुआत कुंभ हादसे में दुख व्यक्त करते हुए की। उन्होंने कहा- माननीय सदस्यों इस वक्त महाकुंभ भी चल रहा है। वहां हुए हादसे पर दुख प्रकट करती हूं। राष्ट्रपति ने आगे केंद्र सरकार की योजनाओं की तारीफ की। उन्होंने कहा- 70+ बुजुर्गों को आयुष्मान का फायदा मिला, छोटे कारोबारियों के लिए लोन लिमिट दोगुनी हुई। साथ ही 3 करोड़ नए घर का लक्ष्य जल्द पूरा होगा। राष्ट्रपति के इस अभिभाषण पर जब सोनिया गांधी से पूछा गया तो उन्होंने कहा, अंत तक राष्ट्रपति बहुत थक गईं थीं। बेचारी वह मुश्किल से बोल पा रही थीं। वहीं राहुल ने कहा- यह बोरिंग था, वहीं बातें बार-बार रिपीट की गईं। उधर सांसद पप्पू यादव ने कहा- राष्ट्रपति रबर स्टैंप की तरह हैं। वे बस लव लेटर पढ़ रही हैं। किसानों को फसलों का उचित दाम दिलाने और आय बढ़ाने पर सरकार काम कर रही है। 332 मिलियन टन अनाज उत्पादन हुआ। खरीब-रबी फसलों की एमएसपी में बढ़ोतरी की है। मोटे अनाज की खरीद पर तीन गुना राशि खर्च की गई है।

दिल्ली में एक साथ 7 विधायकों का इस्तीफा

● चुनाव के बीच आम आदमी पार्टी को बड़ा झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले आम आदमी पार्टी (आप) को बड़ा झटका लगा है। वोटिंग से पांच दिन पहले पार्टी के 7 विधायकों ने इस्तीफा दे दिया है। पार्टी ने इन सातों विधायकों का टिकट काट दिया था जिसको लेकर इनमें नाराजगी थी। राजेश ऋषि, नरेश यादव और रोहित कुमार महरौलिया, भावना गौड़, मदन लाल समेत 7 विधायकों ने शुक्रवार को इस्तीफे का ऐलान कर दिया। जनकपुरी से दो बार के विधायक राजेश ऋषि ने आम आदमी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता समेत सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। टिकट कटने से नाराज चल रहे राजेश ऋषि ने अरविंद केजरीवाल को भेजे इस्तीफे में आरोप लगाया कि पार्टी मूल सिद्धांतों को त्यागकर भ्रष्टाचार में डूब गई है। उन्होंने यह भी लिखा है कि संतोष कोली के बलिदान के साथ गलत व्यवहार किया गया। संतोष कोली के हत्यारे को टिकट दिया गया, यह पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ विश्वासघात है। उन्होंने पार्टी में भाई-भतीजावाद किए जाने का भी आरोप लगाया है। उन्होंने आम आदमी पार्टी को एक अनियंत्रित गिरोह बताते हुए लिखा, 'आम आदमी पार्टी एक अनियंत्रित गिरोह के लिए लिए स्वर्ग बन गई है। पार्टी का नेतृत्व भ्रष्टाचार, भाई भतीजावाद और तानाशाही के साथ पर्यायवाची हो गई है।' महरौली के विधायक नरेश यादव ने भी पार्टी पर भ्रष्टाचार में शामिल होने का आरोप लगाकर इस्तीफा दे दिया है। नरेश यादव को पार्टी ने टिकट दिया था, लेकिन बाद में वापस ले लिया गया था। यादव को कुरान के अपमान से जुड़े केस में पंजाब की एक अदालत ने सजा सुनाई है। हालांकि, उन्होंने ऊपरी अदालत से इस पर स्टे ले लिया है। नरेश यादव को टिकट दिए जाने को दिल्ली में मुसलमानों के बीच कांग्रेस और एआईएमआईएम ने मुद्दा बनाना शुरू कर दिया था। नरेश यादव ने इस्तीफे में कहा,आम आदमी पार्टी का उदय भ्रष्टाचार के खिलाफ हुए अन्ना आंदोलन से भारतीय राजनीति से भ्रष्टाचार को मुक्त करने के लिए हुआ था। लेकिन अब मैं बहुत दुखी हूं कि भ्रष्टाचार आम आदमी पार्टी बिल्कुल भी कम नहीं कर पाई, बल्कि आम आदमी पार्टी ही भ्रष्टाचार के दलदल में लिप्त हो चुकी है। त्रिलोकपुरी से आम आदमी पार्टी के विधायक और दलित नेता रोहित कुमार महरौलिया ने भी इस्तीफा दे दिया है।

वित्त मंत्री ने संसद में पेश किया आर्थिक सर्वेक्षण

● 6.3 फीसदी से 6.8 फीसदी तक रह सकती है जीडीपी ग्रोथ ● अप्रैल से दिसंबर 2024 के बीच महंगाई 4.9 फीसदी रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज यानी 31 जनवरी को इकोनॉमिक सर्वे पेश किया। इसके अनुसार एफवाय 26 यानी, 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 के दौरान जीडीपी ग्रोथ 6.3 फीसदी से 6.8 फीसदी रहने का अनुमान है।

वहीं रिटेल महंगाई वित्त वर्ष 2024 में 5.4 फीसदी थी जो अप्रैल-दिसंबर 2024 में 4.9 फीसदी हो गई। इकोनॉमिक सर्वे बजट से एक दिन पहले पेश किया जाता है। इसमें सरकार इस वित्त वर्ष यानी 2024-25 में देश की जीडीपी का अनुमान और महंगाई समेत कई जानकारियां होती है। ठीक हमारे घर की डायरी की तरह ही होता है इकोनॉमिक सर्वे। इससे पता चलता है कि हमारे देश की अर्थव्यवस्था की हालत कैसी है। 2025-2026 में इकोनॉमी 6.3 फीसदी से 6.8 फीसदी की रफ्तार से बढ़ने का अनुमान है। वित्त वर्ष 2024-2025 में रिटेल महंगाई 5.4 फीसदी थी जो

अप्रैल-दिसंबर 2024 में 4.9 फीसदी हो गई। कम उपज के चलते सप्लाई चेन में बाधा आई है। खराब मौसम, कम उपज के चलते सप्लाई चेन में बाधा आने से खाने-पीने की महंगाई बढ़ी।

● चालू वित्त वर्ष ने भी दिया जोर का झटका- मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर और कॉरपोरेट इनवेस्टमेंट धीमा होने का असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर चालू वित्त वर्ष में साफ दिख रहा है। मौजूदा वित्त वर्ष के दौरान देश की विकास दर 6.4 प्रतिशत रह सकती है, जो कि पिछले 4 साल में सबसे धीमी है। वहीं, बीते वित्त वर्ष की तुलना में इस बार गिरावट देखने को मिल रही है।

● खेती-किसानी को करना होगा और मजबूत- सर्वे के अनुसार भारत के एग्री सेक्टर को और मजबूत करना होगा। यह देश की ताकत है और यह 5 प्रतिशत की ग्रोथ रेट से आगे बढ़ रही है। भारत फूड सिक्योरिटी के मामले में एक दुनिया के लिए प्रमुख देश बनेगा। इस इकनॉमिक सर्वे ने डिसइंवेस्टमेंट पर चुप्पी बनाई है। उम्मीद की जा रही है कि बजट में सरकार की तरफ से डिसइंवेस्टमेंट पर बयान जारी किया जा सकता है। वैश्विक अर्थव्यवस्था 2023 में 3.3 प्रतिशत की दर से ग्रोथ करने में सफल रही। आईएमएफ का अनुमान है कि ग्लोबल इकनॉमी ग्रोथ रेट अगले 5 साल के लिए 3.2 प्रतिशत रहेगी। वैश्विक स्तर पर ग्रोथ रेट स्थिर है लेकिन अलग-अलगे क्षेत्रों में ग्रोथ रेट अलग-अलग रहेगा। पहले कोरोना और फिर युद्धों की वजह से दुनिया भर की अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ा है।

मणिपुर को अलग करने की थी खालिस्तानी पन्नू की मंशा

● सरकार बोली-ईसाई और मुसलमानों को किया भड़काने का काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। खालिस्तानी आतंकी संगठन सिख्स फॉर जस्टिस पर 5 साल के बैन को दिल्ली हाई कोर्ट के ट्राइब्यूनल ने मंजूरी दे दी है। इस उग्रवादी संगठन पर होम मिनिस्ट्री ने बैन लगाया था, जिसे ट्राइब्यूनल ने सही माना है। ट्राइब्यूनल के समक्ष सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने कुछ तथ्य भी पेश किए हैं, जिनमें सिख्स फॉर जस्टिस को लेकर कहा गया कि उसने मणिपुर में ईसाई समुदाय के लोगों को भड़काया कि वे भारत से अलग हो जाएं। केंद्र सरकार ने कहा कि सिख्स फॉर जस्टिस ने पंजाब को खालिस्तान के रूप में अलग देश बनाने की वकालत की तो वहीं मुसलमानों, तमिलों और मणिपुर के ईसाइयों को देश से अलग होने के लिए उकसाया। इसके अलावा आरोप है कि सिख्स फॉर जस्टिस ने पीएम नरेंद्र मोदी, होम मिनिस्टर अमित शाह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल को भी धमकी दी। यह जानकारी ट्राइब्यूनल के ऑर्डर में दी गई है, जिसे सरकार ने गजट नोटिफिकेशन के तौर पर प्रस्तुत कराया है।

संक्षिप्त समाचार

महाकुंभ नहीं पहुंच पाए, रेलवे से 50 लाख का मुआवजा मांगा

● बोले- ट्रेन में भीड़ की वजह से नहीं खुला गेट, सीट तक नहीं पहुंच पाए

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मौनी अमावस्या में स्नान नहीं कर पाने पर मुजफ्फरपुर के एक वकील ने रेलवे से 50 लाख रुपए का हर्जाना मांगा है। राजन झा ने बताया कि 27 जनवरी 2025 को प्रयागराज जाने के लिए मुजफ्फरपुर से स्वतंत्रता सेनानी ट्रेन के थर्ड एसी में तत्काल टिकट लिया था। एसी कोच के क्3 में सीट संख्या 45, 46, 47 था। ट्रेन रात के 9 बजकर 30 मिनट पर खुलने वाली थी। लेकिन मैं अपनी सास और ससुर के साथ मुजफ्फरपुर रेलवे स्टेशन पर ढाई घंटे पहले यानी शाम 7 बजे पहुंच गया था। जब ट्रेन प्लेटफॉर्म पर आई, तो जिस कोच में मेरी सीट थी, उसका दरवाजा अंदर से बंद था। प्लेटफॉर्म पर अन्य रेलवे यात्रियों की भी भीड़ थी। चारों और अफरातफरी का माहौल था। ज्यादातर लोग महाकुंभ स्नान में जाने के लिए प्लेटफॉर्म पर पहुंचे थे। रेलवे की बदइंतजामी की वजह से मैं और मेरा परिवार अपनी सीट तक नहीं पहुंच पाए।

रेलवे टिकट का पैसा भी नहीं दे रहा

राजन झा ने इस मामले में वकील एसके झा के जरिए रेलवे से हर्जाना मांगा है। इस मामले में वकील एसके झा ने बताया कि ये उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत सेवा में कमी का मामला है, जो रेलवे की लापरवाही को दर्शाता है। राजन झा को अपने परिजनों के साथ मौनी अमावस्या के अमृत स्नान के लिए प्रयागराज जाना था, लेकिन ट्रेन की बोगी बंद रहने के कारण जा नहीं सके।

घर में घुसकर लड़की को मारी गोली

● बेड पर मिली दोनों की लाश; इंटर में पढ़ते थे, स्कूल टाइम से थी दोस्ती

सासाराम (रोहतास), एजेंसी। सासाराम में एक लड़के (17) ने लड़की (17) के कमरे में घुसकर उसकी गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने खुद को भी शूट कर लिया। दोनों इंटर के छात्र थे और एक ही कोचिंग में पढ़ा करते थे। बताया जाता है कि दोनों एक साल तक एक ही मकान में अलग-अलग किराए के कमरे में रहकर पढ़ाई करते थे, लेकिन कुछ विवाद होने के बाद लड़की अपने मामा और भाई के साथ रहने उनके घर आ गई। वारदात गुरुवार शाम की नगर थाना इलाके के तकिया मोहल्ले की है। पुलिस को लड़के के घर से एक सुसाइड नोट भी मिला है। हालांकि सुसाइड नोट में लड़के ने क्या लिखा है, पुलिस इसकी जानकारी नहीं दे रही है। मृतका करगहर थाना क्षेत्र के कल्याणपुर गांव की रहने वाली थी। वह अशोक गुप्ता के मकान में किराए पर रहकर इंटर परीक्षा की तैयारी कर रही थी। वहीं लड़का भी करगहर थाना इलाके का ही रहने वाला था। दोनों स्कूल टाइम से एक दूसरे को जानते थे।

गर्दन में मारी गोली : गुरुवार की शाम लड़की के मामा और उसके भाई घर पर नहीं थे। लड़के को इस बात की जानकारी मिली तो वो सीधे लड़की के घर पहुंच गया। पहले दोनों में किसी बात को लेकर बहस हुई। लड़के ने कमर से कट्टा निकाला और लड़की की गर्दन में सटा कर गोली मार दी।

● खुद को भी गर्दन पर किया शूट

उसके बाद उसने दूसरी गोली लोड की और अपनी गर्दन कट्टा सटाकर खुद को शूट कर लिया। दोनों एक ही कोचिंग में पढ़ते थे। इस साल बारहवीं की परीक्षा देने वाली थी। पुलिस ने मौके से 315 बोर का एक कट्टा और दो खोखे बरामद किए हैं।

मृतका के मामा ने बताया कि जब मैं अंडा लेकर लौटा, तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। दरवाजा तोड़ने पर दोनों की लाश एक ही बेड पर पड़ी थी। पुलिस के अनुसार, लड़के का मानसिक संतुलन कुछ समय से बिगड़ा हुआ था और वह लंबे समय से लड़की को परेशान कर रहा था। दोनों के बीच झगड़ा हुआ। फिर लड़के ने लड़की का मर्डर कर सुसाइड कर लिया। एफएसएल की टीम घटनास्थल से सबूत जुटा रही है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अनंत सिंह की जमानत अर्जी पर सुनवाई, कोर्ट ने केस डायरी मांगी

पटना, एजेंसी। नाजायज मजमा बनाकर शस्त्रों के अवैध प्रयोग और हत्या के प्रयास के मामले में जेल में बंद पूर्व विधायक अनंत सिंह की जमानत याचिका पर सुनवाई पटना सिविल कोर्ट स्थित विशेष अदालत में हुई। कोर्ट ने केस डायरी की मांग करते हुए अगली सुनवाई के लिए 5 फरवरी की तारीख तय की है। मामला पटना जिले के पंचमहला थाने में दर्ज थाना कांड संख्या 4/2025 का है। आरोप के अनुसार इस मामले के आरोपियों ने नाजायज मजमा बनाकर गोलीबारी की और हत्या का प्रयास किया। इस मामले में पूर्व विधायक अनंत सिंह और उनके प्रतिद्वंद्वी सोनू-मोनू समेत 20 अन्य लोगों को आरोपी बनाया गया है। पूर्व विधायक ने बाढ़ व्यवहार न्यायालय में आत्मसमर्पण किया था। वे 24 जनवरी से जेल में बंद हैं। बाढ़ से मामला स्थानांतरित होकर पटना की विशेष अदालत में आया है।

गैरइरादतन हत्या में 10 साल की सजा

अनुसूचित जाति एवं जनजाति अधिनियम के मुकदमों की सुनवाई के लिए गठित विशेष अदालत ने जहरखुरानी और गैरइरादतन हत्या के जुर्म में पटना के मालसलामी थाना क्षेत्र स्थित नंदगोला मोहल्ला निवासी छोटू कुमार उर्फ अमरेंदर गिरी को भारतीय दंड विधान की धारा 304 और 328 के तहत दोषी करार देने के बाद 10 साल के कारावास की सजा सुनाई। जुर्माना नहीं भरने पर तीन माह के कारावास की सजा अलग से भुगतनी होगी।

विशेष लोक अभियोजक श्याम नंदन कुमार सिंह उर्फ संतोष कुमार ने बताया कि दोषी ने अपने एक मित्र से रुपए उधार लिये थे। जब वह लगातार पैसा मांगने लगा तब वर्ष 2019 में दोषी ने उसे अपने घर पर बुलाकर खाने में जहरीला पदार्थ खिलाकर बेहोश कर दिया, फिर सिर कुचल कर तालाब में फेंक दिया था। उसे जख्मी हालत में पीएमसीएच में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी।

खतियान की नकल देने के बदले रिश्वत लेने वाले अमीन को एक साल की सजा

पटना सिविल कोर्ट स्थित निगरानी की विशेष अदालत ने रिश्वत लेने के जुर्म में एक सरकारी अमीन को एक वर्ष के सश्रम कारावास की सजा के साथ 10 हजार का जुर्माना भी किया। विशेष न्यायाधीश ने रोहतास जिले के डेहरी स्थित चकबंदी कार्यालय के तत्कालीन सरकारी अमीन रामकृष्ण मिश्र को भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम की धाराओं में दोषी करार देने के बाद यह सजा सुनाई। जुर्माना नहीं भरने पर एक माह के कारावास की सजा अलग से भुगतनी होगी। विशेष लोक अभियोजक प्रभारी (ट्रैप) किशोर कुमार सिंह ने बताया कि वर्ष 2011 में दोषी अमीन ने एक व्यक्ति से पांच खतियानों की नकल देने के एवज में 2500 रुपए की रिश्वत की मांगी थी। 3 जून 2011 को उसने 500 रुपए लिये थे। इसके बाद 6 जून 2011 को निगरानी के अधिकारियों ने उसे 2000 रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार किया था।

नवादा अग्निकांड के आरोपियों को जमानत नहीं

पटना हाईकोर्ट ने बहुचर्चित नवादा अग्निकांड के आरोपी नंदू पासवान और अन्य आरोपियों को नियमित जमानत देने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति आरपी मिश्रा की एकलपीठ ने गुरुवार को मामले पर सुनवाई के बाद यह आदेश दिया।

मांझी तथा रविदास समाज के 60 लोगों के परिवार नदी किनारे की जमीन पर घर बना कर वर्ष 2015 से रह रहे थे। इस जमीन पर नंदू पासवान, आशीष यादव और जमुना चौहान अपना दावा पेश कर रहे थे। इस बात को लेकर न्यायालय में टाइटल सूट भी चल रहा है। इस जमीन को लेकर पहले भी दोनों पक्षों के बीच विवाद हुआ था।

खाद्य निरीक्षक की 52 लाख की संपत्ति जब्त करने का आदेश

निगरानी की विशेष अदालत ने एक खाद्य निरीक्षक की करीब 52 लाख की संपत्ति को एक माह के भीतर जब्त करने का आदेश दिया। विशेष न्यायालय अधिनियम के तहत गठित विशेष अदालत के प्राधिकृत पदाधिकारी बृजेश कुमार पाठक ने पटना डिविजन के खाद्य निरीक्षक सुरेंद्र कुमार की आय से अधिक 52 लाख 80 हजार 333 रुपए की संपत्ति को चिह्नित करते हुए राजसात करने का आदेश दिया है। विशेष लोक अभियोजक राजेश कुमार ने बताया सुरेंद्र कुमार के खिलाफ वर्ष 2013 में आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का मामला दर्ज किया गया था। वर्ष 1979 से 2013 के बीच उसने अपनी आय के सभी ज्ञात स्त्रोतों से लगभग 1 करोड़ 20 लाख 6 हजार 984 रुपए अधिक की संपत्ति अर्जित की थी। निगरानी द्वारा विशेष न्यायालय अधिनियम 2017 के तहत संपत्ति को राजसात करने के लिए आवेदन दिया गया था। इन संपत्तियों में 11 भूखंड शामिल हैं, जिनमें से आठ नालंदा और तीन पटना के कंकड़बाग इलाके में स्थित है।

जनप्रतिनिधि किसी भी पार्टी के हों, उनकी वाजिब मांगें पूरी होंगी: नीतीश

पटना, एजेंसी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार में अब तक 9 लाख लोगों को सरकारी नौकरी मिली। 24 लाख लोगों को रोजगार मिला। इस साल तक 12 लाख को सरकारी नौकरी तथा 34 लाख लोगों को रोजगार मिल जाएगा। वे गुरुवार को अपनी 'प्रगति यात्रा' के दौरान मधेपुरा में समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने 29956 लाख रुपए की 69 योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास भी किया। कहा-हम भेदभाव नहीं करते। जनप्रतिनिधि चाहे किसी भी पार्टी के हों, उनके इलाके की वाजिब मांगें जरूर पूरी होंगी। सीएम ने कहा-2005 से पहले हर मामले में बिहार की स्थिति बहुत खराब थी। शाम के बाद लोग घरों से बाहर निकलने में डरते थे। हमने सबकुछ ठीक किया। उन्होंने अपनी सरकार के काम बताए। इस क्रम में खौफ की समाप्ति, शांति-भाईचारा का माहौल, कब्रिस्तान-मंदिरों की घेराबंदी से लेकर सड़क, पुल-पुलिया का निर्माण, शिक्षा, स्वास्थ्य की बेहतरी, शिक्षकों की नियुक्ति, नए मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल, हर घर नल का जल, शौचालय, पक्की गली नाली, बिजली, पंचायती राज संस्थाएं, नगर निकाय, पुलिस व सरकारी नौकरियों में महिलाओं को दिए गए आरक्षण, 'जीविका' आदि की व्यापक चर्चा की।

मुख्यमंत्री की प्रमुख घोषणाएं

- मधेपुराः 29956 लाख की योजनाओं की सौगात
- प्रगति यात्रा - इस साल 12 लाख को नौकरी व 34 लाख को रोजगार मिलेगा
- नीतीश ने रसलपुर धुरिया पंचायत में विकास कार्यों का जायजा लिया। जीविका दीदियों से बात की। गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक कॉलेज परिसर में बने सेंटर फॉर एक्सीलेंस का उद्घाटन किया। वर्कशॉप देखे। अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय का शिलान्यास किया। नीतीश ने रघुनाथ विद्या मंदिर प्लस टू स्कूल के खेल मैदान का उद्घाटन किया।
- सिंहेश्वर धाम मंदिर का जीर्णोद्धार होगा, मंदिर परिसर विकसित होगा।
- 6मधेपुरा सदर प्रखंड में मिल्क चीलिंग प्लांट/डेयरी प्लांट खुलेगा।
- मुरली चौक से कृष्णा टोला, वंश गोपाल चौक होते योगीराज तक सड़क चौड़ी होगी।
- चौसा प्रखंड में ग्रिड सब स्टेशन बनेगा, मुरलीगंज-चौसा में पावर सब स्टेशन बनेगा।
- मुरलीगंज बाजार में रेलवे ढाला (68 सी.) पर आरओबी बनेगा।
- चौसा व आलमनगर प्रखंड की सड़कें ऊंची व मजबूत की जाएंगी।
- मधेपुरा नगर क्षेत्र का ऑडिटोरियम आधुनिक बनेगा।
- आलमनगर, कुमारखंड, चौसा, मधेपुरा व सिंहेश्वरस्थान के प्रखंड-अंचल कार्यालय का भवन बनेगा।

रिटायर्ड जज व अधिवक्ताओं की सेवा लेगा रेरा, अब सुलह मंच की संख्या बढ़ेगी, तेजी से सुलझेंगे विवाद

पटना, एजेंसी। राजधानी समेत राज्यभर में बिल्डरों और ग्राहकों के बीच होने वाले विवादों को तेजी से सुलझाया जाएगा। इसके लिए भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) बिहार की ओर नई व्यवस्था शुरू होगी। लंबित मामलों को मध्यस्थता द्वारा निपटाने के लिए मध्यस्थता बेंच की संख्या बढ़ेगी। इसके लिए अब सेवानिवृत्त न्यायिक अधिकारियों और अधिवक्ताओं की सेवाएं ली जाएगी। इसमें ऐसे न्यायिक अधिकारियों व अधिवक्ताओं को शामिल किया जाएगा, जिन्होंने बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (बीएसएलएसए) द्वारा आयोजित मध्यस्थता पर प्रशिक्षण प्राप्त किया हो। वर्तमान में रेरा बिहार में दो सदस्यों और न्याय निर्णय अधिकारी के पद रिक्त हैं। ऐसे में इनकी जगह रिटायर्ड विशेषज्ञों की सेवा लेकर मामलों का तेजी से निपटारा किया जाएगा।

मध्यस्थता के बेंच की संख्या बढ़ेगी रेरा ने बीएसएलएसए से मध्यस्थता में विशेषज्ञता रखने वाले सेवानिवृत्त न्यायिक अधिकारियों और अधिवक्ताओं के नाम उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था। बीएसएलएसए द्वारा रेरा को सूची उपलब्ध करा दी गई है। इस सूची के आधार पर उन सभी को सुलह प्रक्रिया में भाग लेने के लिए उनकी सहमति के संबंध में पत्र भेजे गए, जिन्होंने अपनी सहमति दी है। इस नई व्यवस्था के बाद मध्यस्थता बेंच की संख्या बढ़ जाएगी।

रोस्टर के आधार पर सुलह मंच होगा तैयार

दायर मामलों को रोस्टर के आधार पर सुलह मंचों को आवंटित किया जाएगा। प्राधिकरण ने 2022 में अपना सुलह मंच शुरू किया था और तब से इसकी सुनवाई सेवानिवृत्त न्यायाधीश और प्रमोटरों और उपभोक्ताओं के एक-एक प्रतिनिधि द्वारा की जा रही है। ऐसे में तीन वर्षों में प्राप्त अनुभव के बाद नई व्यवस्था शुरू करने का निर्णय लिया गया है।

देश के अन्य राज्यों में लागू

महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, हरियाणा सहित अन्य राज्यों के रेरा ने स्वयं के सुलह मंच का गठन किया है। अब रेरा बिहार भी इस व्यवस्था को शुरू करने जा रहा है।

मछली विक्रेताओं को मिलेगा सरकारी सहयोग: विशेष किट में मिलेंगे उपकरण

नालंदा, एजेंसी। नालंदा जिले के मछली विक्रेताओं और पालकों के लिए सरकार ने एक महत्वपूर्ण योजना की घोषणा की है। योजना के तहत पात्र विक्रेताओं को विशेष किट प्रदान किए जाएंगे, जिसमें मछली के भंडारण, कटाई और विक्रय से संबंधित आवश्यक उपकरण शामिल होंगे। जिला मत्स्य पदाधिकारी शंभु प्रसाद ने बताया कि यह योजना शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के मछली विक्रेताओं को लाभान्वित करेगी। आवेदन की प्रक्रिया चल रही है और पात्रता मानदंडों को पूरा करने वाले लाभुकों का चयन पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा। योजना के तहत एससी-एसटी वर्ग के लाभार्थियों को 17,500 रुपए का अनुदान दिया जाएगा, जबकि अन्य वर्गों के लिए 13,300 रुपए की सब्सिडी निर्धारित की गई है। प्रत्येक किट की कुल लागत 19,000 रुपए रखी गई है।

किट में शामिल सामग्री : छतरी (धूप से बचाव के लिए), मछली पकड़ने के लिए जाल, स्टेनलेस स्टील कटर और स्केलर, तराजू और बटखरा, प्लास्टिक बाल्टी और भंडारण के लिए बॉक्स, मोबाइल लाइट, एप्रन और मास्क आदि है। पहले चरण में ग्रामीण इलाकों में 55 एससी वर्ग के लाभुकों को किट उपलब्ध कराई जाएगी, जबकि शहरी क्षेत्र में सामान्य वर्ग के 18 और एससी वर्ग के 5 लोगों का चयन किया जाएगा। कुल मिलाकर 87 विक्रेताओं को इस योजना का लाभ मिलेगा।

चयन से पहले मत्स्य विभाग के पदाधिकारी स्थल पर जाकर सत्यापन करेंगे, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि आवेदक वास्तव में मछली व्यवसाय से जुड़े है। योजना का लाभ मत्स्यजीवी सहयोग समिति से जुड़े सदस्यों के अलावा सामान्य मछली कारोबारी को भी दिया जाएगा।

श्रमिकों के लिए वन नेशन वन लेबर कार्ड बनाया जाए : मंत्री

पटना, एजेंसी। राज्य के श्रम संसाधन मंत्री संतोष कुमार सिंह ने वन नेशन वन लेबर कार्ड बनाने की मांग उठाई है। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में उन्होंने यह मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि यह योजना लागू होने से पूरे देश में श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित होगी। यह बिहार के मजदूरों के लिए भी फायदेमंद होगी। कार्यशाला में मंत्री ने बिहार में चल रहीं 16 योजनाओं की चर्चा की और कहा कि बिहार का श्रमिक जब दूसरे प्रदेश में जाता है तो उसके श्रम के सेस से दूसरे राज्य का विकास तो होता है, लेकिन उस श्रमिक का हक मारा जाता है। वन नेशन वन कार्ड लागू नहीं होने से उनको वैसी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता है, जैसा उनको अपने प्रदेश में मिलता है। इसलिए पूरे देश में वन लेबर कार्ड की पॉलिसी लागू की जाए, ताकि किसी श्रमिक को दूसरे प्रदेश में अधिकार से वंचित न होना पड़े। अन्य प्रदेश के मंत्रियों ने भी समर्थन किया। केंद्रीय श्रम तथा रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने आश्वासन दिया कि भारत सरकार इस पर विचार करेगी।

सचिवों ने मुख्य सचिव के सामने प्रेजेंटेशन दिया: विकसित बिहार के लिए अगले महीने बनेगा विजन डॉक्यूमेंट

पटना, एजेंसी। मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा ने कहा कि बिहार के समग्र विकास और प्रगति के लिए राज्य सरकार का विजन डॉक्यूमेंट विकसित बिहार 2047 अगले महीने तैयार होगा। गुरुवार को विजन डॉक्यूमेंट की तैयारी को लेकर हुई बैठक में मुख्य सचिव ने विकास के सभी बिंदुओं पर फोकस करने का निर्देश दिया। एक होटल में आयोजित बैठक में विजन डॉक्यूमेंट तैयार करने के लिए बने सचिवों के समूह ने अपना प्रेजेंटेंशन दिया। विजन डॉक्यूमेंट बिहार लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास संस्थान (बिपार्ड) द्वारा तैयार किया जा रहा है। इस डॉक्यूमेंट में बिहार के विकास के लिए भविष्य की योजनाएं बनाई जा रही हैं। जिन क्षेत्रों के लिए विजन, लक्ष्य एवं कार्ययोजना बनाई जा रही हैं, उनमें सामाजिक क्षेत्र, आधारभूत संरचना, ग्रामीण विकास व कृषि, आर्थिक विकास एवं वित्त, सुरक्षा, सामाजिक न्याय और समावेशन, शासन, प्रौद्योगिकी और पारदर्शिता, ऊर्जा एवं खान, व्यापार और उद्योग, शहरीकरण तथा सेवाओं का चयन किया गया है।

बहुसंख्यक समाज को आरक्षण देने की बाबा साहेब की परिकल्पना को समाप्त किया जा रहा

पटना, एजेंसी। बहुसंख्यक समाज को आरक्षण देने की बाबा साहेब आंबेडकर की परिकल्पना को साजिश के तहत समाप्त किया जा रहा है। निजीकरण की बढ़ती व्यवस्था के कारण अतिपिछड़े, पिछड़े और अनुसूचित जाति-जनजाति की हकमारी की जा रही है। ये बातें अतिपिछड़ा आरक्षण बचाओ संघर्ष महामोर्चा की राज्य परिषद की बैठक में राष्ट्रीय प्रधान महासचिव जयनाथ चौहान ने कहीं।

उन्होंने कहा कि लैटरल इंट्री के माध्यम से बिना परीक्षा और इंटरव्यू के सीधी बहाली भी बहुसंख्यक समाज के हकों पर कुठाराघात है। कॉलेजियम सिस्टम ने न्यायिक व्यवस्था में बहुसंख्यक समाज के प्रवेश को रोककर रखा है। जब आर्थिक रूप से कमजोर सवर्णों को आरक्षण मिल सकता है, तो राज्य में अतिपिछड़ों को 65 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार को इसे अविलंब संविधान की नौवीं अनुसूची में डालना चाहिए। जब तक अतिपिछड़ा समाज के हाथों में देश और राज्य की कमान नहीं आएगी, हमारी हकमारी चलती रहेगी। अगमकुआं स्थित एनआईएचईआर सभागार में हुई बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष चंदेश्वर साह और मंच संचालन मोहम्मद मुश्ताक अहमद ने किया।

डॉ. यूपी गुप्ता बने राष्ट्रीय अध्यक्ष

बैठक के दौरान सर्वसम्मति से डॉ. यूपी गुप्ता को राष्ट्रीय अध्यक्ष, जयनाथ चौहान को राष्ट्रीय प्रधान महासचिव, मोहम्मद मुश्ताक अहमद को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, डॉ. राजकुमार आजाद को कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष और कैलाश महतो को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चुना गया। साथ ही 9 अप्रैल को मिलर स्कूल के मैदान में अतिपिछड़ा हुंकार महारैली का आयोजन करने का निर्णय लिया गया। महारैली के सफल आयोजन को लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. यूपी गुप्ता और राष्ट्रीय प्रधान महासचिव जयनाथ चौहान के नेतृत्व में तैयारी समिति का गठन करने का फैसला लिया गया। इस अवसर पर नीतू सिंह निषाद, प्रेम साह, महेंद्र सिंह चौहान, रामनंदन सिंह, चंदेश्वर साह, मो. मुश्ताक, मो. शौकत, कैलाश महतो, राजकुमार आजाद, तरुण सिंह पिंटू, प्रो. वजुल

हक, डॉ. आलोक कुमार मालाकार, मो. वसीम अकरम, सुनीता पासवान, प्रेम गुप्ता, रामबाबू साह, पूर्व मुखिया सुनील राम, अखिलेश साह, रणजीत चौरसिया के साथ अन्य लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मनाई डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की 64वीं पुण्यतिथि

बीएनएम। मोतिहारी। जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष ई. शशि भूषण राय उर्फ गप्पु राय के निर्देशन में जिला कांग्रेस कार्यालय गांधी आश्रम में शुक्रवार को बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री और बिहार केसरी डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की 64वीं पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनके योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. श्रीकृष्ण सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर की गई।डॉ. श्रीकृष्ण सिंह का योगदान बिहार की राजनीति और समाज के लिए अमूल्य है। उनके द्वारा किए गए कार्यों और उनके विचारों का हम हमेशा अनुसरण करेंगे। उनका नेतृत्व और उनका संघर्ष हम सबके लिए प्रेरणा का स्रोत है। कार्यक्रम के दौरान कांग्रेसजनों ने जिला अध्यक्ष शशि भूषण राय के जन्मदिन की खुशी भी मनाई। उनके नेतृत्व की सराहना करते हुए कार्यकर्ताओं ने उनके स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की। इस मौके पर एक विशेष केक काटा गया, जिसे कार्यकर्ताओं ने आपस में बांटते हुए, संगठन में और पार्टी के कार्यों में आगे बढ़ने की सामूहिक प्रतिबद्धता व्यक्त की। कांग्रेसजनों ने इस अवसर पर अपने संगठन की मजबूती और आगामी चुनौतियों का सामना करने के लिए एकजुटता का संदेश दिया। कार्यक्रम का समापन जिले के वरिष्ठ नेताओं की आशीर्वाद और शुभकामनाओं के साथ हुआ, जिसमें सभी ने मिलकर पार्टी की सफलता की कामना की। मौके पर विजयशंकर पांडे, विजयकांत त्रिपाठी, विनय कुमार सिंह, अरुण प्रकाश पांडे, रंजीत पांडे, ओसैंदूर रहमान खान, डॉ. आदर्श आनंद, रंजन शर्मा, आबिद हुसैन, आदित्य श्रीवास्तव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

जनता दरबार में प्राप्त हुए कुल 110 आवेदन

बीएनएम। मोतिहारी। शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन सभागार में शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम जनता के दरबार में जिला प्रशासन द्वारा जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए 110 आवेदनकर्ताओं की समस्याओं पर जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के निर्देश के आलोक में जिला पंचायत राज पदाधिकारी पूर्वी चंपारण की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पदाधिकारी गण के द्वारा सुनवाई की गई। उक्त प्राप्त शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए जिला पंचायत राज पदाधिकारी राम जनम पासवान ने कहा कि आज जो आवेदन प्राप्त हुए हैं उस पर संबंधित पदाधिकारी के स्तर से करवाई कराते हुए शीघ्र ही समस्या का विधिसम्मत निदान सुनिश्चित किया जाएगा। इसमें भूमि विवाद, अतिक्रमण वाद, राजस्व विभाग से संबंधित अधिकांश आवेदन प्राप्त हुए जिसके शीघ्र निष्पादन हेतु संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश के साथ भेज देने का निर्देश प्रभारी पदाधिकारी जिला जन शिकायत कोषांग को दिया गया। इस कार्यक्रम में डीपीआरओ के साथ अन्य जिलास्तरीय अधिकारियों ने जनता दरबार में आए लोगों से मिलकर उनकी शिकायतों का समाधान किया।

मानव तस्करी रोकथाम को लेकर न्याय नेटवर्क परियोजना और स्वच्छ रक्सौल की संयुक्त बैठक आयोजित

प्रशासन की लापरवाही पर गहरी चिंता

बीएनएम। रक्सौल

न्याय नेटवर्क परियोजना और स्वच्छ रक्सौल के कार्यकर्ताओं के द्वारा एक संयुक्त बैठक आयोजित किया गया । जिसमें मानव तस्करी की बढ़ती घटनाओं और प्रशासन की निष्क्रियता पर गहरी चिंता व्यक्त की गई। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि दोनों संगठन मिलकर इस गंभीर अपराध के खिलाफ अभियान तेज करेंगे। जबकि स्वच्छ रक्सौल के अध्यक्ष रणजीत सिंह ने बताया कि प्रतिवर्ष लाखों बच्चे भारत से गायब हो रहे हैं, जिनका कोई सुराग नहीं मिल पाता। हालांकि सरकार और कई गैर-सरकारी संगठन इस दिशा में कार्यरत हैं, फिर भी बच्चों की तस्करी रुकने का नाम नहीं ले रही। स्वच्छ रक्सौल और न्याय नेटवर्क परियोजना ने प्रशासन की मदद से अब तक सैकड़ों बच्चों को बचाया है, लेकिन स्थानीय प्रशासन के सहयोग की कमी के कारण कई बच्चे लापता हो जाते हैं। रणजीत सिंह ने बताया कि 26 जनवरी 2025 को एक 18 वर्षीय लड़का और 16 वर्षीय लड़की को पुलिस ने सहायता देने के बजाय भगा दिया। जबकि इसकी सूचना बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) को पहले ही दी जा चुकी थी। यह प्रशासन की घोर लापरवाही को दर्शाता है और मानव तस्करी के खिलाफ चल रहे प्रयासों को कमजोर करता है। न्याय नेटवर्क परियोजना के गौरव कुमार राव, मथुरा कुमार, राकेश रंजन व स्वच्छ रक्सौल से साबरा खातुन, रितिका श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे। जिसमे कुछ मुख्य मांगें रखी है, जिसमें पुलिस प्रशासन की जवाबदेही तय की जाए और मानव तस्करी के मामलों में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई हो। व सभी लापता बच्चों की खोज और बचाव के लिए एक विशेष टास्क फोर्स का गठन किया जाए व जनता और युवाओं को जागरूक करने के लिए एक व्यापक अभियान चलाया जाए। और मीडिया और नागरिक समाज इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाए, ताकि प्रशासन को कड़े कदम उठाने के लिए बाध्य किया जा सके। साथ ही संयुक्त पहल के तहत आगे की रणनीति भी तैयार किया गया है। जिसमे स्वच्छ रक्सौल और न्याय नेटवर्क परियोजना मिलकर जनजागरूकता अभियान, प्रशासनिक अधिकारियों से संवाद, मीडिया के माध्यम से मुद्दे को उठाना और आवश्यकतानुसार कानूनी कार्रवाई करेंगे। अगर प्रशासन जल्द से जल्द कार्रवाई नहीं करता है, तो हम न्याय के लिए उच्च अधिकारियों, राज्य सरकार और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) का रुख करेंगे।

एमजीसीयू में जयशंकर प्रसाद की 136वीं जयंती पर संगोष्ठी का आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के हिन्दी साहित्य सभा नें जयशंकर प्रसाद के 136वीं जयंती पर 'प्रसाद साहित्य के विविध आयाम' विषय पर विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ अंजनी कुमार श्रीवास्तव ने की।'प्रसाद साहित्य के विविध आयाम' विषय पर प्रकाश डालते हुए डॉ अंजनी कुमार श्रीवास्तव ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि संपूर्ण भारतीयता की अवधारणा प्रसाद साहित्य के केंद्र में हैं। जयशंकर प्रसाद के साहित्य का उद्देश्य भविष्य को दृष्टि देना है। प्रसाद भारतीय संस्कृति को प्रसारित करने वाले रचनाकार हैं। जयशंकर प्रसाद अपने साहित्य के माध्यम से इतिहास गढ़ते हैं और इतिहास के बीच के अन्तराल एवं अवरोध को भी भरते हैं। साहित्य सभा की अध्यक्ष सुनंदा गुराईं ने स्वागत वक्तव्य में कहा 'जयशंकर प्रसाद का रचना संसार भारतीय साहित्य का गौरव है उनकी कालजयी रचनाएं हमें भारतीय संस्कृति, इतिहास और मानवीय संवेदनाओं से गहराई से परिचित कराती हैं। कार्यक्रम में डॉ. आशा मीणा, सहायक आचार्य हिंदी विभाग एवं हिंदी विभाग के शोधार्थी और विद्यार्थी उपस्थित रहें। कार्यक्रम का सफल संचालन कुलदीप कुमार एम. ए. द्वितीय वर्ष, धन्यवाद ज्ञापन विकास कुमार शोधार्थी हिंदी विभाग तथा रिपोर्ट लेखन अस्मिता पटेल शोधार्थी हिंदी विभाग ने किया।

रक्सौल हवाई अड्डा निर्माण के लिए बाधा सीमा सतह सर्वेक्षण हुआ शुरू

तीन सदस्यीय समिति करेगी सर्वेक्षण

बीएनएम। मोतिहारी

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने रक्सौल हवाई अड्डे के निर्माण को लेकर कवायद शुरू कर दिया है। निर्माण को लेकर प्राधिकरण ने त्रि-स्तरीय समिति का गठन करते हुए बाधा सीमा सतह सर्वेक्षण की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। बताया गया है,कि किसी भी हवाई अड्डे के निर्माण से पहले एक यह सर्वेक्षण एक आवश्यक प्रक्रिया होती है, जिसके तहत आसपास के क्षेत्रों में भौगोलिक परिस्थितियों, संभावित अवरोधों और सुरक्षा मानकों की जांच की जाती है। इस सर्वेक्षण से ही यह सुनिश्चित होगा कि हवाई अड्डे के रनवे और अन्य सुविधाओं के निर्माण में किसी प्रकार की रुकावट तो पैदा नही होगी,ताकि विमानों की आवाजाही सुरक्षित सुनिश्चित किया जा सके। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकर ने इस सर्वेक्षण के सुचारू संचालन और निष्पक्ष मूल्यांकन के लिए त्रि-स्तरीय समिति का गठन किया है।जो हवाई अड्डे के संभावित स्थान का विस्तृत अध्ययन करने के साथ ही आसपास के निर्माणों और संरचनाओं का विश्लेषण और पर्यावरणीय और सुरक्षा मापदंडों का भी विस्तृत अध्ययन करेगी।उल्लेखनीय है,कि भारत-नेपाल सीमा पर अवस्थित पूर्वी चंपारण जिले का रक्सौल शहर एक महत्वपूर्ण व्यवसायिक केंद्र है।जहां इंटीग्रेडेट चेक पोस्ट के साथ इससे सटे वीरगंज शहर के खलवा सिरसिया में ड्राई पोर्ट भी बनाया गया है। ऐसे में रक्सौल में हवाई अड्डे के निर्माण से न केवल बिहार और नेपाल के बीच कनेक्टिविटी बेहतर होगी, बल्कि व्यापार और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। यहां के स्थानीय नागरिकों में भी हवाई अड्डा निर्माण को लेकर खासा उत्साह है।लोगो ने बताया कि हवाई अड्डा बनते ही इस क्षेत्र के आर्थिक विकास को पंख लग जायेगे।भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के अधिकारियो ने बताया कि ओएलएस सर्वेक्षण की रिपोर्ट मिलते ही रक्सौल हवाई अड्डे का विस्तृत डिजाइन और निर्माण योजना पर कार्य शुरू कर दिया जायेगा।

राजस्व के कार्यों से जुड़े पदाधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

बीएनएम। मोतिहारी

नगर के समाहरणालय स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद सभागार में राजस्व विभाग के पदाधिकारी-भूमि सुधार उप समाहर्ता(डीसीएलआर),अंचल अधिकारी एवं राजस्व पदाधिकारियो को राजस्व के कार्यों की बेहतर जानकारी के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें बिहार प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत पदाधिकारी राधा मोहन प्रसाद के द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल, अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिंहा, उप विकास आयुक्त शंभू शरण पांडे एवं प्रशिक्षणकर्ता राधा मोहन प्रसाद के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर उपस्थित पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने कहा कि राजस्व विभाग के कार्य बहुत ही महत्वपूर्ण हैं। इसमें समय-समय पर सरकार के स्तर से निर्णय लिए जाते रहे हैं, जिसकी समुचित जानकारी क्षेत्र में कार्य करने वाले पदाधिकारी को रहने चाहिए। इसी उद्देश्य से आज के प्रशिक्षण का आयोजन कराया गया है ताकि कहीं कोई भ्रम हो तो स्पष्टता के साथ उसका निदान मिल सके। जिलाधिकारी ने कहा कि उपस्थित सभी पदाधिकारी अच्छे से प्रशिक्षण प्राप्त करें और कहीं कोई जिज्ञासा हो तो उस पर खुला विमर्श करें। प्रशासनिक दायित्वों के निर्वहन में संकोच की कहीं कोई गुंजाइश नहीं होती है। इसके पहले अपर समाहर्ता ने आज के प्रशिक्षण के विषय वस्तु की जानकारी देते हुए सभी का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि आज के प्रशिक्षण में बी टी एक्ट 1885 से संबंधित राजस्व के विभिन्न विषय, दाखिल खारिज अधिनियम के अंतर्गत जमाबंदी का नया सृजन एवं जमाबंदी पंजी का संधारण, परिमार्जन एवं उससे संबंधित मामले तथा गैर मजरूआ मालिक किस्म की भूमि का बंदोबस्ती एवं जमाबंदी पंजी का अद्यतीकरन जैसे विषयों पर जानकारी दी जाएगी।प्रशिक्षणकर्ता राधा मोहन प्रसाद के द्वारा उपरोक्त विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई एवं सरकार के निर्णयों के बारे में बताया गया। इस दौरान जो भी प्रश्न आए सभी का जवाब दिया गया। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले पदाधिकारी ने आज के प्रशिक्षण को बहुत ही सार्थक और उपयोगी बताया और कहा कि बहुत से मामले थे जिनका प्रशिक्षण में स्पष्टीकरण हो गया है जिससे क्षेत्र में कार्य करने में दिक्कत नहीं आएगी।

एलएनडी कॉलेज को पीएम उषा योजना से 10 करोड़ की राशि स्वीकृत

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के एलएनडी कॉलेज के प्राचार्य कक्ष में शुक्रवार को प्रेस वार्ता करते प्राचार्य प्रो. (डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि पूरे चंपारण के लिए गौरव की बात है कि एलएनडी महाविद्यालय को पीएम उषा योजना से लैंगिक समावेशन और समानता पहल स्कीम पर कार्य करने के लिए 10 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह राशि बिहार और केंद्र सरकार के द्वारा बिहार के मात्र 5 कॉलेज को ही दी गई है, जिसमें एक एलएनडी कॉलेज भी है। इस राशि में से 5.5 करोड़ की राशि से जी प्लस थ्री मल्टीपरपस बिल्डिंग का निर्माण बिहार सरकार के एजेंसी के माध्यम से किया जाएगा। शेष राशि से नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों जैसे वित्तीय साक्षरता, कम्युनिकेशन स्किल, योगा, कंप्यूटर साक्षरता जैसे महत्वपूर्ण शॉर्ट टर्म सर्टिफिकेट कोर्स शुरू करने, प्रयोगशाला उन्नयन, स्मार्ट बोर्ड स्थापित करने जैसे कार्य होने हैं। इस योजना के शुरू होने से नोडल कॉलेज के रूप में स्थापित हो जाएगा। वहीं नैक मूल्यांकन संबंधी जानकारी साझा करते हुए प्राचार्य प्रो. सिन्हा ने बताया कि महाविद्यालय ने नैक द्वितीय चक्र में बी ग्रेड प्राप्त किया है। ज्ञातव्य हो कि बिहार में बहुत कम ऐसे कॉलेज हैं जिन्होंने नैक ग्रेड प्राप्त किया है। नैक मूल्यांकन पर संतोष जाहिर करते हुए प्राचार्य प्रो. सिन्हा ने बताया कि छात्र प्राध्यापक अनुपात कम होने बावजूद हमने सम्मानजनक ग्रेड प्राप्त किया है। आने वाले वर्षों में कई विषयों में पीजी और व्यावसायिक कोर्स शुरू करने की दिशा में हमलोग कार्य कर रहे हैं। इस अवसर पर डॉ. सुबोध कुमार,डॉ. दुर्बादल भट्टाचार्य, प्रो. दुर्गेश मणि तिवारी, डॉ. दीपक कुमार, डॉ. राकेश रंजन कुमार, डॉ. कुमार राकेश रंजन, प्रो. अरविंद कुमार, डॉ. प्रभाकर कुमार, डॉ. रविरंजन सिंह, डॉ. अनिता कुमारी, डॉ. कविता कुमारी, प्रधान सहायक राजीव कुमार, कामेश भूषण, डॉ. भुवनेशर सिंह, संजीव किशोर, मणिभूषण, अमित कुमार, अखिलेश कुमार, आशुतोष कुमार, आलोक पांडेय आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस ने गांजा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम। बेतिया। पुलिस ने गुप्त सुचना के आधार कार्यवाही करते हुये बस स्टैंड के पास छापेमारी कर दो तस्करों को 200 पैकेट गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार पुलिस को सूचना मिली की बस स्टैंड के पास गांजा तस्कर आ रहे है। जिसपर त्वरित कार्रवाई करते हुए एसडीपीओ के नेतृत्व में मुफस्सिल और नगर थाने की पुलिस टीम ने छापेमारी की और दो तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से 200 पुड़िया गांजा बरामद किया। एसडीपीओ विवेक दीप ने बताया कि युवा पीढ़ी में बढ़ते मादक पदार्थों के सेवन को देखते हुए पुलिस ड्रग माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है। यह कार्रवाई पुलिस की सतर्कता और मुखबिर तंत्र की सफलता का परिणाम है। इस कार्रवाई से शहर के तस्करों में हड़कंप मच गया है।

बेतिया का व्यक्ति कुम्भ मेले से लापता

बीएनएम। बेतिया। कमलनाथ नगर, वार्ड नंबर 16 के निवासी के भतीजे सपन चक्रवर्ती ने एक वीडियो जारी कर अपने चाचा के लापता होने की बात बताई है। उसने बताया की वो 27 जनवरी को कुंभ नहाने गये थे। महाकुंभ मेले में मौनी अमावस्या के शाही स्नान के दौरान वो लापता हो गये। परिजनों ने काफी खोजबीन की, लेकिन अब तक कोई सफलता नहीं मिली। उनके भतीजे ने एक वीडियो जारी कर आम लोगों से मदद की अपील की है। उनकी पहचान के लिए तस्वीरें भी साझा की गई हैं। यदि किसी को अशोक कुमार चक्रवर्ती के बारे में कोई जानकारी मिलती है, तो कृपया मोबाइल नंबर 8271992209 पर संपर्क करें।

जिलाधिकारी के जनता दरबार में 90 मामलों की हुई सुनवाई

बीएनएम। बेतिया। जिलाधिकारी द्वारा जनता दरबार का आयोजन किया गया। आयोजित जनता दरबार मे जिलाधिकारी ने लोगों की समस्याओं एवं शिकायतों को से सुना तथा कई समस्याओं एवं शिकायतों का ऑन-द-स्पॉट समाधान कराया गया। साथ ही कई मामलों में संबंधित प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों को फोन कर समस्याओं का समाधान करने के लिए शीघ्र समुचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। आज के जनता दरबार में कुल 90 मामले आए। जिन मामलों का समाधान आज नहीं हो सका, उसे संबंधित विभाग/अधिकारियों को भेजते हुए त्वरित गति से नियमानुकूल समाधान कराने हेतु निर्देशित किया गया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, निदेशक, डीआरडीए, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जदयू के ढाका विधानसभा प्रभारी दयाशंकर सिंह ने नीतीश कुमार के बेहतर कार्यों को बताया

बीएनएम । बगहा प०च० : गुरुवार और शुक्रवार को ढाका नगर परिषद, जनता दल यू की विस्तारित बैठक ढाका स्थित एकरामूल हक के निवास स्थान पर हुई. बैठक की अध्यक्षता रोज मोहम्मद,नगर अध्यक्ष ने की. बैठक में मैं विधानसभा प्रभारी दया शंकर सिंह उपस्थित रहा. . विधानसभा प्रभारी दयाशंकर सिंह द्वारा नगर अध्यक्ष रोज मोहम्मद एवं नगर कमेटी के सदस्यों को पुष्प माला पहनाकर सम्मानित किया गया,उसके पहले ,नगर अध्यक्ष रोज मोहम्मद ने मुझे माला एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया. बैठक में आगामी 2025 में होने वाले विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार को पुन मुख्यमंत्री बनाने की शपथ ली गई,साथ ही 2025 में 225 ,फिर से नीतीश का नारा बुलंद किया गया.बैठक में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा प्रदेश में चलाए जा रहे कल्याणकारी योजनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई एवं इसका प्रचार प्रसार करने की सभी कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी गई. नगर परिषद ढाका के अंतर्गत आने वाले सभी बूथों की समीक्षा की गई और बूथ कमेटी बनाने पर जोर दिया गया. कार्यवाही के अंत में नगर उपाध्यक्ष मोहम्मद मोतीन ने धन्यवाद ज्ञापन किया और बैठक समाप्त करने की घोषणा की.

भाजपा नेता तुषार सिंह ने बगहा विधान सभा क्षेत्र में किया जन-संपर्क

बीएनएम । बगहा प०च० : बगहा विधान सभा क्षेत्र के 2025बिहार विधान सभा भावी भाजपा विधायक प्रत्याशी श्वेतमणि सिंह उर्फ तुषार सिंह ने प्रखंड बगहा एक के औरहिया गांव में शुक्रवार को अपने भाजपा समर्थकों के साथ जनसंपर्क किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि बगहा विधान सभा क्षेत्र के किसी भी गांव या सम्मानित जनता की समस्या हमारी समस्या है। उन्होंने कहा कि दर्जनों किसानों ने क्षेत्र भ्रमण के दौरान बगहा एक अंचल कार्यालय के द्वारा आमलोगों को बिना वजह परेशान किया जा रहा है। परिमार्जन सहित अन्य कागजों की खानापूर्ति में भेदभाव बरती जा रही है। इसके मनोज उपाध्याय सहित दर्जनों समर्थक मौके पर मौजूद थे।

ठंड लगने से विद्यालय जा रही छात्रा हुई बेहोश

बीएनएम । चकिया,पू०च०। विद्यालय पढ़ने जा रही छात्रा को ठंड लगने से बेहोश होकर गिर पड़ी। घटना शुक्रवार की सुबह थाना क्षेत्र अंतर्गत शीतलपुर चौक पर घटित बताई गई है। गशती दल पर घुम रही पुलिस उक्त स्थान पर पहुंची तथा स्थानीय एक युवक के सहयोग से आनन फानन में इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल लाई जहां पर चिकित्सकों द्वारा इलाज किया गया। वहीं इलाज कर रहे चिकित्सक ने बताया कि ठंड के प्रकोप से यह बेहोश हो कर गिरी है परन्तु स्थिति सामान्य है। छात्रा की पहचान थाना क्षेत्र अंतर्गत शीतलपुर के ही कसबा टोला निवासी बनारसी ठाकुर की पुत्री सविता कुमारी के रूप में हुई है। सूचना पर अस्पताल आये परिजनों ने बताया कि शीतलपुर राय टोला स्थित रा म विद्यालय में वर्ग नवम में पढ़ती है।आज ट्यूशन पढ़कर घर आई पूनः तैयार हो कर साईकिल से विधालय के लिए निकली थी।

माधोपुर तृतीया मेला का हुआ भव्य उद्घाटन

बीएनएम। तुरकौलिया

हर वर्ष माघ माह के तृतीया पर लगने वाले माधोपुर तृतीया मेला उद्घाटन होते ही शुरू हो गया। उद्घघाटन पूर्व मंत्री सह नरकटिया विधायक डा0 शमीम अहमद, पूर्व विधायक राजेंद्र राम व महापौर प्रिति कुमारी ने संयुक्त रूप से फीटा काटकर किया। उद्घाटन के बाद मंत्री शमीम अहमद ने कहा कि यह मेला एतिहासिक है। वर्ष 1865 से यहां यह मेला का आयोजन होता आ रहा है। यह तुरकौलिया वासियों के लिए गौरव की बात। यह मेला यहा के कौमी एकता का प्रतीक है। सभी जाति धर्म के लोग मिलकर एक माह तक चलने वाले इस मेले का सफलतापूर्वक आयोजन करते है। उन्होंने यहा के मठाधीश भागवत दास को भी धन्यवाद दिया। वही मठाधीश भागवत दास ने बताया कि 1865 ई0 में इसी जगह पर भिखम बाबा ने जिंदा समाधी लिए थे। उसके बाद मंदिर का निर्माण हुआ है। तबसे लेकर आजतक माघ महिना के तृतीय दिन पर यहां मेला का आयोजन किया जाता है। जो लगभग एक माह तक चलता है। काठ का समान सबसे ज्यादा बिकता है। सभी तरह के लकड़ी का फर्नीचर की खरीदारी करने लोग यहां काफी संख्या में दूर दराज इलाके से आते हैं। वही बच्चों के लिए हर तरह के मनोरंजन, महिलाओं के लिए श्रृंगार, खाने के लिए उत्तम व्यंजन की दुकानों का स्टॉल लगा हुआ है। पूर्व विधायक राजेंद्र राम ने कहा कि गरीब बच्चे बच्चियों के शादी व्याह के अवसर अधिकांश अभिभावक यहां से फर्नीचर खरीदते हैं। कई जिलों के फर्नीचर व्यापारी यहां फर्नीचर लेकर बेचने आते हैं। वही सुदूर इलाकों से लोग इस मेले में लकड़ी का समान खरीदने आते हैं। इस मेले का सौंदर्यीकरण कराया जायेगा। मौके पर मठाधीश भागवत यादव, राजद नेता राजदेव यादव, डॉ0 आलोक रंजन, राजेंद्र सहनी, मैनेजर यादव, कमरे आलम, राजेश यादव, रविन्द्रनाथ कुशवाहा, अख्तर हुसैन, मुन्ना राम, रजनीश राय उर्फ पेटू राय, मुन्नीलाल यादव, सनोज यादव आदि मौजूद थे।

लोहिया स्वच्छ भारत मिशन अभियान कार्य को बीडीओ ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

बीएनएम। रामगढ़वा

लोहिया स्वच्छ भारत मिशन अभियान के तहत शुक्रवार को शिवनगर इनरवा पंचायत में बीडीओ राकेश कुमार सिंह और मुखिया शिवचंद्र यादव के द्वारा संयुक्त रुप से हरी झंडी दिखाकर कचरा रिक्शा को रवाना किया। मुखिया शिवचंद्र यादव ने बताया कि बेला पंचायत के सभी 13 वार्डों में डोर टू डोर गीला व सूखा कचरा का उठाव होगा। पंचायत के सभी वार्डों को स्वच्छ रखने के लिए यह कदम उठाया गया है। कचरा उठाव से जहां एक तरफ पंचायत के सभी वार्ड साफ रहेंगे वही संग्रहित कचरे को एक जगह रखकर वर्मी कंपोस्ट एवं जैविक खाद का निर्माण होगा। वर्मी कंपोस्ट व जैविक खाद से किसानों द्वारा अनाज का उत्पादन अधिक होगा और भूमि की उर्वराशक्ति भी बढ़ेगी। मौके पर सरपंच दीपक सिंह, प्रमुख पति विशाल गुप्ता, रामचंद्र यादव, सरोज गुप्ता, स्वच्छता सेवक घनश्याम राम, जेई नीरज कुमार आदि उपस्थित थे।

सड़क दुर्घटना में मृत संजीत का शव घर पहुंचने पर परिजनो में मची चीख-पुकार

महज तीन दिन पहले खरीदे था टेम्पू

बीएनएम । अरेराज। प्रिंस चौबे

अनुमंडल क्षेत्र के अरेराज संग्रामपुर मुख्य पथ पर अहले सुबह टेम्पू पलटने से चालक संजीत तिवारी की मौत हो गई। शव पोस्टमार्टम के बाद शुक्रवार को संग्रामपुर के तिवारी टोला गांव पहुचते ही परिजनों के चीख पुकार से कोहराम मच गया। मृतक संजीत तिवारी, तिवारी टोला गांव के लालबाबू तिवारी सेवानिवृत शिक्षक के पुत्र थे। मौत की खबर मिलते ही वृद्ध माँ रामसनेही देवी व पत्नी मेनका देवी का रो रो कर हाल बेहाल हैं। मृतक की मां का कूल्हा टूटने से बेड पर है, और अपनी मां की सेवा संजीत ही करता था। मृतक पांच भाई थे जिसमे एक भाई की मौत पहले हो चुकी है। 82 वर्षीय बूढ़ी मां बार बार कह कर रो रही थी ई का कईल भगवान हम जियत बानी हमार बेटवा के छीन ले ल। मृतक को तीन बच्चे जिसमे एक लड़का लोकेश कुमार पांच वर्ष, पुत्री मनस्वी कुमारी 13 वर्ष व जैशवी कुमारी 10 वर्ष के सर से पिता का साया उठ गया। वही स्थानीय जनप्रतिनिधियो व समाजसेवियो ने शोक व्यक्त करते हुए प्रशासन से आपदा के तहत सहायता राशि देने की मांग की है।

मध्याह्न भोजन का 15 फरवरी से होगा नया मेन्यू

बीएनएम । रामगढ़वा

पीएम पोषण योजना के तहत संचालित मध्याह्न भोजन योजना का नया मेनू लागू किया गया है। इसको लेकर निदेशक ने सभी डीईओ और डीपीओ को पत्र जारी कर नया मेनू लागू करने का निर्देश दिया है। साथ ही मेनू के साथ कुछ विशेष मानक का पालन करने को भी कहा है। जिसमें कहा गया है कि गुणवत्तापूर्ण मसाला जो एफएएसएसएआई से प्रमाणित है के साथ आयोडीन युक्त या फोर्टिफाइड नमक का ही उपयोग करने को कहा है। इसी प्रकार खाद्य तेल भी एफएएसएसएआई से प्रमाणित ही उपयोग करने का निर्देश दिया गया है। वहीं मध्याह्न भोजन में गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामाग्री के तहत सोयाबीन, लाल चना एवं दाल का उपयोग करने को कहा है। वहीं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पालक, गाजर, मूली, हरा मटर, टमाटर, धनिया पत्ता, करी पत्ता, बोरो और पत्तेदार सब्जी का उपयोग करने का निर्देश दिया है। साथ ही मध्याह्न भोजन के नवीन मेनू को विद्यालय के सूचना पट्ट पर स्पष्ट प्रदर्शित करने करने का भी निर्देश दिया है। अब-तक के मेन्यू के अनुसार बच्चों को सप्ताह में दो दिन शनिवार और बुधवार को खिचड़ी दी जाती है। पर, नये मेन्यू में बुधवार को अब चावल और लाल चने की सब्जी बच्चों को दी जाएगी। खिचड़ी नहीं दी जाएगी। चने में थोड़ी मात्रा में आलू भी मिले होंगे। मेन्यू में एक और बड़ा बदलाव करते हुए शुक्रवार को बच्चों को दिया जाने वाला पुलाव और काबुली चने के छोले को हटा दिया गया है। बच्चों द्वारा इसे पसंद नहीं किये जाने के कारण इसमें बदलाव करते हुए शुक्रवार को 15 फरवरी से चावल और लाल चने की सब्जी दी जाएगी। इसके साथ ही शुक्रवार को एक अंडा अथवा मौसमी फल अलग से बच्चों को दिये जाएंगे। पूर्व के बने मेन्यू में सोमवार और गुरुवार को चावल, दाल और सब्जी देने का प्रावधान था, जिसे बदल दिया गया है। शनिवार को बच्चों को दी जाने वाली खिचड़ी में हरी सब्जी मिली हुई होगी। इसके अलावा आलू का चोखा भी दिया जाएगा। इसी प्रकार मंगलवार को दिया जाने वाला जीरा चवाल को भी मेन्यू से हटा दिया गया है। अब मंगलवार को चावल और सोयाबीन-आलू की सब्जी दी जाएगी।

सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान का हुआ समापन

दुर्घटनाओं में घायल ब्यक्ति को अस्पताल पहुचाने वाले को मिलेगी 25 हजार

बीएनएम। चकिया,पू0च0

मुजफ्फरपुर कोटवा टॉलवे प्राईवेट लिमिटेड के तत्वाधान में बीते एक माह से चल रहे सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता अभियान का गुरुवार को समापन हुआ। इस मौके पर टालवे परसौनी खेम स्थित सभागार में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के बतौर मुख्य अतिथि डीटीओ निवेदिता कुमारी व विशिष्ट अतिथि के रूप अनुमंडल पदाधिकारी शिवानी शुभम एवं डीएसपी सत्येंद्र कुमार सिंह ने शिरकत की।इस दौरान डीटीओ ने कहा कि सड़क दुघर्टनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से जागरूकता अभियान चलाया जाता है घटनाओं व दुर्घटनाओं में जितनी मौतें होती है उसमें सर्वाधिक सड़क दुघर्टना में हुई मौतें शामिल है।कमी लाने के लिए ट्राफिक नियमों को पालन करने पर बल दिया। साथ ही टॉलवे की ओर से एक माह तक चलाय गये जागरूकता अभियान की सराहना की तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया इसी कड़ी में टालवे को एन एच आई की ओर से भी सम्मानित किया गया।वहीं डीटीओ ने बताया कि सड़क दुघर्टनाओं में घायल होने वाले व्यक्ति को अस्पताल पहुचाने वाले को मिलने वाली राशि 10हजार से बढ़ा कर 25 हजार रुपया कर दिया गया है। साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद एसडीओ शिवानी शुभम व डीएसपी सत्येंद्र कुमार सिंह एवं सभापति पवन सर्राफ व एनएचआई की ओर से आये उप प्रबंधक रीतेश कुमार तथा रवि कुमार ने भी सम्बोधित करते हुए ट्राफिक नियमों के पालन करने पर बल दिया। इस दौरान एक माह तक चलाय गये जागरूकता अभियान टॉलवे प्रमुख वरूण कुमार मिश्रा ने प्रोजेक्टर के माध्यम अभियान का सचित्र कार्यो को बताया गया तथा आगत अतिथियों का पौधा देकर सम्मानित किया। टालवे की निशुल्क प्रशिक्षण प्राप्त प्रशिक्षणार्थियों को मुख्य व विशिष्ट अतिथि द्वारा प्रमाण पत्र दिया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता टालवे प्रमुख ने जबकि संचालन मलय कुमार ने की। मौके पर टालवे मैनेजर सरोज कुमार सुरक्षा प्रबन्धक विवेक कुमार सिंह सहित अगल बगल गांव के ग्रामीण विधार्थी व गणमान्य सहित टालवे अधिकारी व कर्मी आदि मौजूद थे।

कृषि उपकरण केंद्र का गन्ना मंत्री ने किया लोकार्पण

बीएनएम। बगहा

वाल्मीकिनगर स्थित कन्वेंशन सेंटर के वाल्मीकि सभागार में शुक्रवार को आयोजित गन्ना किसान संगोष्ठी कार्यक्रम के दौरान आईसीआईसीआई फाउंडेशन के द्वारा दो पंचायत को कृषि उपकरण केंद्र का गन्ना उद्योग मंत्री कृष्णनंदन पासवान ने लोकार्पण किया। कार्यक्रम में मौजूद आईसीआईसीआई फाउंडेशन के विकास पदाधिकारी अमन पांडेय ने बताया कि 2021 से यह संस्था पश्चिम चंपारण के बगहा प्रखंड में कार्यरत है, जिसमें जीविकोपार्जन के तहत किसान और महिलाओं को सशक्त करने के लिए मवेशी पालन , जैविक एवं उपकरणों उपयुक्त खेती और वाल्मीकि टाइगर रिजर्व में आवास पुनर्स्थापन के तहत जीव जंतु के लिए काम किया जा रहा है। मौके पर बगहा विधायक श्रीराम सिंह, भाजपा गगहा के जिलाध्यक्ष अचिंत्य कुमार लल्ला, विधायक प्रतिनिधि रितु कुमार जयसवाल, दीपक कुमार,विवेक कुमार सहित दर्जनों किसान और ग्रामीण मौंजूद रहें।

तेजस्वी यादव चलाएंगे पार्टी

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की कमान अब पूरी तरह तेजस्वी यादव के कंधों पर होगी। पार्टी की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक में यह तय हुआ कि तेजस्वी यादव पार्टी चलाएंगे। हालांकि राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर लालू प्रसाद यादव ही बने रहेंगे, लेकिन अब पार्टी की बागडोर तेजस्वी यादव के हाथों में होगी। चुनाव में उम्मीदवारों को सिंबल देने का अधिकार भी अब तेजस्वी के पास होगा, जो पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष के पास होता था। लाजिमी है कि एक तरफ पार्टी में तेजस्वी युग का आगाज हो गया तो दूसरी ओर लालू परिवार में भी 'सियासतÓ शुरू होने की आशंका है। क्योंकि मीसा यादव और राहिणी भी राजनीति में सक्रिय हैं, जबकि तेजप्रताप भी मां राबड़ी के ज्यादा करीब हैं और अपने बयान के जरिये सुर्खियों में रहते हैं। गौरतलब है कि पिछले कुछ वर्षो से तेजस्वी ही पार्टी का कामकाज देख रहे थे, लेकिन चुनाव के समय लालू यादव की भूमिका महत्त्वपूर्ण हो जाती थी। अब यह जिम्मेदारी भी तेजस्वी के कंधों पर होगी। तेजस्वी युवा हैं और पिछले विधानसभा चुनाव के अलावा इस बार के लोक सभा चुनाव में उनकी मेहनत का हर कोई कायल रहा। हालांकि उनकी मेहनत चुनाव परिणाम में परिलक्षित नहीं हुई, मगर उन पर जनता और पार्टी का भरोसा पूरी मजबूती के साथ है; यह जरूर दिखा। खास बात यह है कि तेजस्वी काफी ऊर्जावान हैं और पिता लालू प्रसाद से उन्होंने काफी कुछ सीखा है। बाकी परिवार के सदस्यों की बात करें तो मीसा इस बार भले पाटलिपुत्र से सांसद बनी मगर बिहार की राजनीति को समग्रता से समझने का काम तेजस्वी के अलावा न तो रोहिणी ने किया और न तेजप्रताप ने। हां, राबड़ी देवी की भूमिका भी अब पार्टी में काफी सीमित हो गई है। स्वाभाविक है, लालू ने दांव तेजस्वी पर चला है और एक तरह से अध्यक्ष का पद अपने पास रखकर यह संदेश भी देने की कोशिश की है कि तेजस्वी के कामकाज पर उनकी नजर रहेगी। इस बात में कोई शक नहीं कि युवा तबके में तेजस्वी की स्वीकार्यता है। साथ ही यादव मतदाता और मुस्लिम समुदाय भी पार्टी का सबसे मजबूत वोट बैंक माना जाता रहा है। राज्य में सत्तारूढ़ जद (यू)-भाजपा की सरकार की खामियों को सामने लाना उनके लिए सबसे कठिन होगा। हां, अगर वो नीतीश सरकार की नाक में दम करेंगे तो हो सकता है, अगली सरकार के मुखिया वही होंगे।

बजट ऐतिहासिक होने की उम्मीद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल का पहला पूर्ण बजट एक फरवरी को पेश होगा। मोदी सरकार के पहले यानी 2014 के बजट के बाद संभवतः यह पहला बजट है, जिसको लेकर इतनी चर्चा हो रही है। यह चर्चा इसलिए हो रही है क्योंकि मोदी को तीसरा ऐतिहासिक कार्यकाल मिला है। इसलिए कई आर्थिक जानकार यह उम्मीद कर रहे हैं कि बजट भी ऐतिहासिक होगा। कुछ जानकारों को लग रहा है कि यह पी चिदंबरम के 1997 के ड्रीम बजट जैसा हो सकता है तो कुछ जानकार 1991 के मनमोहन सिंह के आर्थिक उदारीकरण की शुरुआत करने वाले बजट जैसा होने की उम्मीद कर रहे हैं। उनको लग रहा है कि इस बार बजट में वो सारे आर्थिक सुधार दिख सकते हैं, जिनकी पिछले कई बरसों से सिर्फ चर्चा हो रही है। गौरतलब है कि कोरोना महामारी से पहले ही आर्थिकी में सुस्ती का दौर शुरू हो गया था और उसी समय सभी कठोर आर्थिक सुधार रोक दिए गए थे। सो, इस बार सुधारों की उम्मीद की जा रही है। दूसरी ओर एक वर्ग ऐसा है, जिसका मानना है कि इस बार लोकसभा चुनाव में पहली बार प्रधानमंत्री मोदी को देश की जनता ने झटका दिया है और उनकी सीटें कम करके उनको बहुमत से नीचे ला दिया है। इसलिए इस बार का बजट आम नागरिकों के हितों को ध्यान में रखने वाला होगा। यह समूह उम्मीद कर रहा है कि सामाजिक विकास की योजनाओं की फंडिंग में होने वाली कटौती थमेगी और इस बार उनमें आवंटन बढ़ाया जा सकता है। एक तीसरा समूह ऐसा है, जो लोकसभा चुनाव के नतीजों के आधार पर ही यह अनुमान भी लगाया रहा है कि सरकार मध्य वर्ग की आकांक्षा का भी ध्यान रखेगी और इस बार मध्य वर्ग के लिए भी खास प्रावधान किए जाएंगे। इनमें आयकर स्लैब में बदलाव करके आयकर से छूट देने की सबसे ज्यादा चर्चा है। आर्थिक जानकार 10 लाख से लेकर 15 लाख रुपए तक आय को कर से छूट देने की उम्मीद जता रहे हैं। कर के स्लैब कम करने की भी संभावना जताई जा रही है। एक चौथा वर्ग है, जिसको लग रहा है कि जलवायु परिवर्तन भी सरकार का सरोकार होगा और भले अमेरिका में सत्ता में आने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने जलवायु परिवर्तन के खतरे को खारिज करते हुए अमेरिका को पेरिस समझौते से बाहर कर दिया है लेकिन भारत ऐसा नहीं कर सकता है। इस समूह की उम्मीद है कि इस बार केंद्र सरकार हरित और टिकाऊ विकास की अवधारणा को केंद्र में रख कर बजट तैयार करेगी, जिसमें जलवायु अनुकूल फैसले होंगे। एक पांचवां वर्ग ऐसा है, जो कृषि और किसानों के हितों पर केंद्रित बजट की उम्मीद कर रहा है। कृषि मामलों के जानकार चाहते हैं कि सरकार खाद व बीज पर सब्सिडी की नीति बदले और साथ ही किसानों को सम्मान निधि के रूप में पांच सौ रुपया महीना देने की नीति को भी छोड़े। उनका कहना है कि सरकार को किसानों की न्यूनतम आय सुनिश्चित करने का कोई कानून लाना चाहिए। जैसे सरकार अपने कर्मचारियों के लिए वेतन आयोग लाती है और साल में दो बार महंगाई भत्ता बढ़ाती है वैसे ही किसान की आय भी सुनिश्चित करनी चाहिए। इनके अलावा उद्योग व कारोबार जगत की अपनी उम्मीदें हैं। कर छूट से लेकर कारोबार सुगमता तक उनकी विशलिस्ट भी लंबी है कुल मिला कर हर समूह बजट में अपने लिए कुछ न कुछ मिलने की उम्मीद कर रहा है। यह देखना दिलचस्प होगा कि सरकार कठोर सुधारों की दिशा में बढ़ती है या लोक लुभावन बजट लाकर सभी समूहों को खुश करने का प्रयास करती है? ध्यान रहे बजट के तुरंत बाद दिल्ली विधानसभा का चुनाव है और उसके बाद कभी भी बिहार विधानसभा का चुनाव हो सकता है। इसलिए सरकार बहुत कठोर आर्थिक सुधार की पहल करती है या नहीं, यह देखने वाली बात होगी। बहरहाल, इस साल के बजट को लेकर एक चीज पर सबकी सहमति है और वह ये है कि सरकार बुनियादी ढांचे के विकास को प्राथमिकता देगी। एक सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक 75 फीसदी से ज्यादा लोगों ने माना है कि सरकार बुनियादी ढांचे के विकास पर ध्यान देगी और उस सेक्टर में आवंटन बढ़ाया जाएगा।

संविधान पर कोई खतरा नहीं

एस. सुनील

विडम्बना देखिए कि संविधान पर हमला करने, उसकी मूल भावना को कुचलने और अनगिनत मनमाने संशोधन करने वाली पार्टी कांग्रेस के नेता इन दिनों संविधान की सुरक्षा का अभियान चला रहे हैं और जिन लोगों ने संविधान की रक्षा के लिए अपना जीवन और सब कुछ दांव पर लगाया उनसे संविधान को खतरा बता रहे हैं! वास्तविकता यह है कि संविधान पर कोई खतरा नहीं है। खतरा कांग्रेस पार्टी के अस्तित्व पर है। 'हम भारत के लोगÓ द्वारा संविधान अंगीकार करने के 75 वर्ष पूर्ण हुए हैं। समस्त देशवासियों के लिए यह गर्व और प्रेरणा का दिन है। एक गणतंत्र के रूप में भारत के 75 वर्ष पूरे करना कई मायनों में बहुत विशेष और महत्वपूर्ण है। संविधान के 75 वर्ष की यात्रा में शायद ही कोई समय रहा होगा, जब इसे लेकर इतनी चर्चा हुई होगी, जितनी अभी हो रही है। ठीक 50 साल पहले 1975 में जब संविधान पर सबसे बड़ा हमला हुआ था यानी इमरजेंसी लगाई गई थी और देश के समस्त नागरिकों के मौलिक अधिकार निलंबित कर दिए गए थे तब भी इसकी इतनी चर्चा नहीं हुई थी। हालांकि तब देश के नागरिकों ने मन ही मन यह संकल्प बनाया था कि देश के पवित्र संविधान पर हाथ डालने वालों को छोड़ना नहीं है। संविधान पर हुए उस हमले के बाद देश की जनता ने कांग्रेस पार्टी और तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमति इंदिरा गांधी को सजा दी और यह स्पष्ट कर दिया कि संविधान पर हमला उसे स्वीकार्य नहीं होगा।

परंतु विडम्बना देखिए कि संविधान पर हमला करने, उसकी मूल भावना को कुचलने और अनगिनत मनमाने संशोधन करने वाली पार्टी कांग्रेस के नेता इन दिनों संविधान की सुरक्षा का अभियान चला रहे हैं और जिन लोगों ने संविधान की रक्षा के लिए अपना जीवन और सब कुछ दांव पर लगाया उनसे संविधान को खतरा बता रहे हैं! वास्तविकता यह है कि संविधान पर कोई खतरा नहीं है। खतरा कांग्रेस पार्टी के अस्तित्व पर है। खतरा कांग्रेस के शाही खानदान की राजनीति पर है। खतरा तुष्टिकरकण की राजनीति करने वाली जातिवादी पार्टियों के ऊपर है। अपने अस्तित्व, अपनी राजनीति और पार्टी के ऊपर आए खतरे को इन पार्टियों ने संविधान पर खतरा बताना शुरू किया है। विपक्षी पार्टियों की इस राजनीति की वजह से संविधान की चर्चा शुरू हुई है और संविधान निर्माण में बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की भूमिका पर चर्चा भी घर घर पहुंची है। इस क्रम में लोगों को इस बात की भी जानकारी मिली है कि कांग्रेस ने बाबा साहेब अंबेडकर के साथ किस तरह का बरताव किया। भारत के संविधान को खतरे में बताने वाली पार्टी और नेता असल में इसकी शक्ति को न जानते हैं और न समझते हैं। भारत का संविधान कोई मामूली किताब या कागजों का दस्तावेज भर नहीं है। इसमें देश के 140 करोड़ लोगों की आत्मा बसती है। इसलिए यह कहना अपने आप में बचकाना है कि संविधान खतरे में है। संविधान एक जीवित दस्तावेज है और उसमें समय की जरुरतों के हिसाब से संशोधन होते हैं। इसका प्रावधान संविधान निर्माताओं ने ही किया है। उन्हीं प्रावधानों के आधार पर संविधान में अब तक सवा सौ से ज्यादा संशोधन हो चुके हैं। संसद के शीतकालीन सत्र में केंद्र की श्री नरेंद्र मोदी सरकार ने 129वें संविधान संशोधन का विधेयक पेश किया। इसके जरिए पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने का कानून बनाया जाना है। इस विधेयक को एक संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजा गया है, जो इस पर विचार कर रही है। यह संशोधन भी संविधान की मूल भावना को स्थापित करने के लिए लाया गया है। ध्यान रहे आजादी के बाद पहले चार लोकसभा चुनावों के साथ ही लगभग पूरे देश के विधानसभा चुनाव हुए थे। उसके बाद कांग्रेस की केंद्र सरकार द्वारा मनमाने तरीके से राज्यों की सरकार बरखास्त करने के कारण यह चक्र टूटा। अब इस चक्र को फिर से बहाल करने का प्रयास हो रहा है। संविधान अंगीकार किए जाने के 75 साल पूरे होने के अवसर पर यह विचार करने की भी आवश्यकता है कि तीन चौथाई सदी का संविधान का सफर कैसा रहा? सबसे पहले तो यह बुनियादी बात समझने की जरुरत है कि कोई भी संविधान उतना ही अच्छा या उतना ही सफल होता है, जितने अच्छे उसे लागू करने वाले होते हैं। अगर संविधान जैसा पवित्र दस्तावेज भी गलत लोगों के हाथ में हो उसका दुरुपयोग हो सकता है। श्रीमति इंदिरा गांधी ने संविधान के अनुच्छेद 352 में किए गए प्रावधानों का इस्तेमाल करके ही देश में इमरजेंसी लगाई थी। पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू से लेकर बाद की सभी कांग्रेस सरकारों ने अनुच्छेद 356 के प्रावधानों का दुरुपयोग करके ही देश के अनेक राज्यों की चुनी गई सरकारों को मनमाने तरीके से बरखास्त किया। इमरजेंसी के समय तमाम किस्म की मनमानियां संविधान के नाम पर ही की गईं। नागरिकों के मौलिक अधिकार निलंबित कर दिए गए। विपक्ष के नेताओं को जेल में डाल दिया गया। उच्च न्यायपालिका में मनमाने तरीके से वरिष्ठता का उल्लंघन करके जूनियर और प्रतिबद्ध जज को चीफ जस्टिस बनाया गया। संविधान में मनमाने तरीके से संशोधन किए गए। हैरानी की बात है कि इतना सब कुछ करने वाली पार्टी अपने को संविधान का रक्षक बता रही है! दूसरी ओर पिछले 10 साल के श्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल को देखें तो आजाद भारत के इतिहास में कोई भी कालखंड ऐसा नहीं रहा है, जब संविधान की संपूर्ण अनुपालना सुनिश्चित की गई हो। इस अवधि में एक भी राज्य सरकार अनुच्छेद 356 का इस्तेमाल करके नहीं बरखास्त की गई है। एक जम्मू कश्मीर को छोड़ कर कहीं भी राष्ट्रपति शासन नहीं लगाया गया। संविधान में न्यूनतम संशोधन किए गए और जो भी संशोधन हुआ वह देश और समाज के वृहत्तर हित के लिए हुआ। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने हर कीमत पर संविधान और आरक्षण की रक्षा का संकल्प जताया हुआ है। उनकी सरकार ने संविधान रचयिता बाबा साहेब अंबेडकर के सम्मान में पंचतीर्थों का विकास किया और उनके आदर्शों को हर व्यक्ति तक पहुंचाने का काम किया। इसलिए संविधान पर खतरे की धारणा बनाने का प्रयास कर रही पार्टियां और उनके नेता सफल नहीं हो पा रहे हैं। देश की जनता बार बार उन्हें नकार रही है। बहरहाल, संविधान की 75 वर्ष की यात्रा के बाद इस अहम पड़ाव पर एक विसंगति की चर्चा अनिवार्य है। वह विसंगति 1975 में लगाई गई इमरजेंसी के दौरान श्रीमति इंदिरा गांधी की सरकार की देन है। उनकी सरकार ने संविधान के 42वें संशोधन के जरिए दर्जनों प्रावधानों को बदला। यहां तक कि संविधान की प्रस्तावना को भी बदला गया। श्रीमति इंदिरा गांधी की सरकार ने संविधान की प्रस्तावना में 'धर्मनिरपेक्षÓ और 'समाजवादÓ शब्द जोड़े। ऐसा नहीं है कि भारत राष्ट्र राज्य के लिए या भारत की शासन व्यवस्था के लिए ये दोनों नए शब्द थे या नए विचार थे। भारत हमेशा से सभी धर्मों का सम्मान करने वाला राष्ट्र रहा है और समाजवाद भी इसकी नींव में है क्योंकि अनादि काल से हम भारत के लोग 'सर्वे भवंतु सुखिन की संकल्पना के साथ जीते हैं। संभवतः इसलिए संविधान बनाने वाले हमारे पूर्वजों ने अलग से इन शब्दों का उल्लेख करने की जरुरत नहीं समझी थी। संविधान के हर प्रावधान को बड़ी सावधानी से इस तरह से बनाया गया था कि धर्म, जाति, नस्ल, लिंग या किसी भी अन्य आधार पर किसी भी नागरिक के साथ भेदभाव नहीं हो। परंतु श्रीमति इंदिरा गांधी ने तुष्टिकरण की राजनीति के तहत 'धर्मनिरपेक्षÓ शब्द संविधान की प्रस्तावना में शामिल किया और 'गरीबी हटाओÓ के नारे को न्यायसंगत बनाने के लिए 'समाजवाद शब्द जोड़ा। ये दोनों शब्द प्रस्तावना में जोड़े जाने से पहले भी भारत धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी राष्ट्र के रूप में ही काम कर रहा था। पंडित नेहरू, श्री लाल बहादुर शास्त्री और खुद श्रीमति इंदिरा गांधी ने करीब 10 साल इन दो शब्दों के बगैर ही शासन चलाया। बाद में विशुद्ध राजनीतिक मकसद से इन दो शब्दों को प्रस्तावना में शामिल किया गया। वर्तमान समय में इनकी कोई आवश्यकता प्रतीत नहीं होती है। इसलिए समय आ गया है कि इन दोनों शब्दों को हटा कर संविधान की प्रस्तावना को उसके मूल रूप में स्थापित किया जाए। संविधान की यात्रा के कुछ अहम पड़ावों की अगर बात करें तो केशवानंद भारती केस में सुप्रीम कोर्ट की ओर से बुनियादी ढांचे के सिद्धांत का प्रतिपादन एक अहम पड़ाव है। जस्टिस हंसराज खन्ना ने केशवानंद भारती मामले में यह सिद्धांत प्रतिपादित किया कि भारत के संविधान में कुछ बुनियादी विशेषताएं हैं, जिनको संसद भी संशोधनों के जरिए समाप्त नहीं कर सकती है। संविधान की सर्वोच्चता से लेकर देश की लोकतांत्रिक व गणतांत्रिक संरचना, नागरिकों के मौलिक अधिकार, शासन की संघीय व्यवस्था, न्यायिक समीक्षा, शक्तियों के पृथक्करण, नागरिकों की स्वतंत्रता व समानता आदि को बुनियादी ढांचे के सिद्धांत में समाहित किया गया। श्रीमति इंदिरा गांधी की सरकार ने इमरजेंसी के समय बुनियादी ढांचे को ही बदलने का प्रयास किया था, लेकिन देश के सजग नागरिकों ने उनका प्रयास विफल कर दिया। उसके बाद से किसी भी सरकार ने, चाहे उसके पास कितना भी बड़ा बहुमत क्यों न रहा हो, संविधान के बुनियादी ढांचे से छेड़छाड़ का प्रयास नहीं किया। भारतीय लोकतंत्र की यह शक्ति संविधान के हमेशा सुरक्षित रहने का भरोसा दिलाती है।

सामाजिक नैतिकता को खोखला करता एकल परिवारों का चलन

प्रियंका सौरभ

औरत-मर्द और बच्चे के एकल परिवारों के चलन ने समय के साथ विभिन्न सामाजिक समूहों को बेहद प्रभावित किया है। इसके साथ सामाजिक नैतिकता और भारतीय परिवारों की पारंपरिक मूल्य भी छिन्न-भिन्न हो रहे हैं। शहरीकरण, वित्तीय दबाव और व्यक्तिवादी जीवन शैली के कारण हुए इस बदलाव ने मूल्यों को हस्तांतरित करने के तरीके को बदल दिया है। हालांकि एकल परिवार स्वतंत्रता और निजी विकास को प्रोत्साहित करते हैं लेकिन उन्हें सांस्कृतिक और नैतिक मूल्य बनाए रखने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। सामाजिक मूल्यों को विकसित कर एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक उसे पहुंचाने में परिवार नामक संस्था की भूमिका सीमित कर दी गई है। पारंपरिक संयुक्त परिवारों में दादा-दादी, चाचा और चाची ने कहानी सुनाने, सलाह देने, पहचान देने और सामूहिक भावना जैसे मूल्यों को लागू करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। एकल परिवारों के साथ, यह अंतर-पीढ़ीगत सम्बंध कमजोर हो गया है, जिससे बच्चों के विभिन्न दृष्टिकोणों के संपर्क में आने पर रोक लग गई है। कन्फ्यूशियस ने सद्गुण की पहली क्षमता के रूप में अपने परिवार के सदस्यों पर जोर दिया। बहु-पीढ़ीगत जीवन की गिरावट भी इस नैतिक शिक्षा को कमजोर कर सकती है। एकल परिवारों में, माता-पिता मूल्यों की आपूर्ति का पूरा बोझ उठाते हैं, नियमित रूप से पेशेवर प्रतिबद्धताओं के साथ इसे जोड़ते हैं। इससे समय की कमी या तनाव के कारण कमी आ सकती है। शहरी एकल परिवार सहानुभूति या धैर्य की कोचिंग पर शैक्षिक पूर्ति को प्राथमिकता दे सकते हैं, जिससे बच्चों में व्यक्तिवादी दृष्टिकोण पैदा होता है। एकल परिवार स्वायत्तता, निर्णय लेने और व्यक्तिगत जिम्मेदारी जैसे मूल्यों को बढ़ावा देते हैं, जो वर्तमान सामाजिक मांगों के साथ संरेखित होते हैं। जॉन स्टुअर्ट मिल ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता को व्यक्तिगत और सामाजिक प्रगति के लिए आवश्यक गुणों के रूप में महत्त्व दिया, जिसे एकल परिवार प्रभावी रूप से बेचते हैं। एकल परिवार अक्सर अपने परिवार की ज़रूरतों को प्राथमिकता देते हैं, जिससे निःस्संदेह सामूहिक मूल्यों जैसे साझा करना, त्याग करना और आपसी सहायता के प्रति जागरूकता कम हो जाती है, जो संयुक्त परिवार व्यवस्था के लिए आवश्यक थे। त्योहार, जो कभी संयुक्त परिवारों में सांस्कृतिक बंधन को मजबूत करते थे, अब एकांत में मनाए जाने लगे हैं। जबकि पारंपरिक व्यवस्थाएँ कमजोर होती जा रही हैं, एकल परिवार शिक्षा के लिए स्कूलों, साथियों के समूहों और आभासी प्रणालियों पर अधिक से अधिक निर्भर होते जा रहे हैं। हालाँकि, निजी सलाह की कमी से नैतिक विकास में भी कमी आ सकती है। एकल परिवारों में, एक से अधिक पदों के मॉडल की अनुपस्थिति बच्चों की कई गुणों को देखने और उनका अध्ययन करने की क्षमता को भी सीमित कर सकती है। एकल परिवारों के बढ़ते जोर ने मूल्यों को विकसित करने में परिवार की स्थिति को नया रूप दिया है। स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देते हुए, यह अक्सर विस्तारित परिवारों द्वारा प्रदान की गई सामूहिक जानकारी और सांस्कृतिक परंपराओं के प्रति जागरूकता को कम करता है। इस अंतर को पाटने के लिए एकल परिवारों को सुखद पालन-पोषण, नेटवर्क कनेक्शन को बढ़ावा देने और जिम्मेदारी से आधुनिक उपकरणों का लाभ उठाने पर जोर देते हुए सचेत रूप से अनुकूलन करना चाहिए। जैसा कि कन्फ्यूशियस ने कहा, "राज्य की ऊर्जा घर की अखंडता से प्राप्त होती है," इस बात पर प्रकाश डालते हुए कि परिवार, चाहे किसी भी संरचना में हों, नैतिक नागरिकों को आकार देने के लिए मूल्यवान बने रहते हैं। एकल परिवार-परिवार प्राइमेट मानव समाज की "जैविक" घटना है। यह मानव विकास के विकासवादी संग्रह में एक अनुकूल रूप नहीं है और न ही आर्थिक समाज की उपयोगी चीज है। बल्कि यह मानव समय और सामाजिक स्थान में लगभग प्रथागत है। इसका केंद्र पति-पत्नी और माता-पिता-बच्चों की एक इकाई है। इसका सामान्य रूप अक्सर मृत्यु या परित्याग या संतान की हानि के कारण ग़लत हो जाता है, लेकिन इसका मॉडल रूप अधिकतम स्थिर होता है। सभी परिस्थितियों में परिवार के भीतर पति या पत्नी के बुज़ुर्ग माता-पिता और कभी-कभी अतिरिक्त दूरस्थ परिवार होने की प्रवृत्ति होती है, हालांकि वे अर्ध-बाहरी कारक किसी अन्य कारण से नहीं बल्कि आवश्यकता और पितृभक्ति से अधिक होते हैं। अलग-अलग सामाजिक परिस्थितियों में एकल परिवार "कुलों", जातियों, गांवों और सार्वजनिक विनियमन के माध्यम से विभिन्न तरीकों का उपयोग करके बाहरी समाज में एकजुट होते हैं। पश्चिमी समाज में परमाणु इकाई नैतिक प्रबंधन के लिए आध्यात्मिक नौकरशाही और शासन उद्देश्यों के लिए नागरिक विनियमन के लिए अधिक से अधिक कठिनाई बन गई है। रिश्तेदारों ने, प्रियजनों के अलावा, शक्ति खो दी है। इसने अपने स्वयं के परिवार को अत्यधिक नैतिकता के अपने पूर्व राज्य की तुलना में अधिक "तथ्यात्मक" बना दिया है। परिणामस्वरूप परमाणु परिवार कमजोर हो गया है क्योंकि यह काफ़ी हद तक धर्म का संगठन है और अब मुकदमेबाजी और सार्वजनिक विनियमन की सहायता से बहुत अधिक नियंत्रणीय नहीं है। इसलिए यह पश्चिमी देशों में ठीक से नहीं चल रहा है, जिससे मौलिक प्राइमेट मूल्यों को आम तौर पर नुक़सान होता है। यह परिवार निगमों के सुधार की ओर ले जाता है जो "सहज" नैतिक दबावों को फिर से तस्वीर में लाते हैं। परमाणु परिवार के परिवार का भाग्य, जिसे यहाँ "प्रतिक्रांति" कहा जाता है, संभवतः अगली पीढ़ी में रिश्तेदारों की सहायता से बढ़ती सहायता में से एक होगा। सामाजिक ढांचे में इतना अधिक परिवर्तन आ चुका है कि अब लिव इन रिलेशनशिप और वैवाहिक मामलों में थोड़ा बहुत ही अंतर रह गया होगा जिसके परिणामस्वरूप महिलाएं और पुरुष वैवाहिक संबंधों में रुचि ना लेकर एकल रहने को वरीयता देने लगे हैं। गलती इसमें किसी भी परिजन की ना होकर पश्चिमी मूल्यों को तरजीह दिए जाने की है। हम हिन्दुस्तानी अब ज़िम्मेदारियों को निभाने की तुलना में उससे अलग हो जाना बेहतर समझने लगे हैं। अब पश्चिम में अपने ही परिवार के लोग कई पीढ़ियों के छोटे अंतराल पर चक्रीय रूप से स्थानांतरित होने की प्रवृत्ति रखते हैं। 55,000 परिवारों का एक अध्ययन इस सुझाए गए उलटफेर को दर्शाता है।

मेष राशि : आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। अपने माता-पिता से आप अपने मन की बातों को साझा करेंगे। जो लोग घर से दूर रहकर पढ़ाई कर रहे हैं, वे आज अपने परिवार से मिल सकते हैं। आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। परिवार वालों के साथ धार्मिक कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे, जिससे आपके मन को शांति मिलेगी।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिये ठीक-ठाक रहेगा। आज आपको नकारात्मक सोचने से बचना चाहिए। बच्चों के सपनों को साकार करने के लिए उन्हें प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है। रुका हुआ धन का आज आगमन होगा। आपको वाहन सुख मिलेगा।

मिथुन राशि : आज आपका दिन उत्तम रहेगा। काम के प्रति डेडिकेशन होने से आप जल्दी ही सफलता की ओर अग्रसर होंगे। आज किसी अनुभवी व्यक्ति का सानिध्य मिलेगा, जिससे अच्छा महसूस करेंगे। आज खास कार्य पूरा होने की संभावना है। दूसरों से उम्मीद करने के बजाय अपनी मेहनत और क्षमता पर विश्वास रखेंगे तो काम सुचारु रूप से बनते जाएंगे।

कर्क राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज किसी मामले में अपनी समझ से काम करना होगा, तभी काम का परिणाम अच्छा मिलेगा। आज बड़ों का आशीर्वाद मिलेगा, जिससे आपकी सकारात्मकता बढ़ेगी। आज घर में शुभ समाचार मिलने के योग हैं, दांपत्य जीवन का सुख मिलेगा। आपका विनम्र स्वभाव साराहा जाएगा।

सिंह राशि : आज आप में एक नई उमंग और खुशी रहेगी। आज आप जो भी काम करेंगे वह पूरे मन से करेंगे, नया अनुभव आपको मिलेगा। मानसिक उलझनों का निवारण होगा, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। आपका सामाजिक दायरा और आपका सम्मान भी बढ़ेगा।

कन्या राशि : आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें, मौसम में परिवर्तन की वजह से थोड़ी परेशानी हो सकती है। समाज सेवा से जुड़े लोगों का समाज में प्रभाव बढेगा, लोगों का सहयोग मिलेगा। आज के दिन अपनी वाणी पर संयम बना के रखें।

तुला राशि : आज आपका दिन आपकी माता-पिता की सेवा में बीतेगा। आज आप नई जमीन से संबंधित लेन-देन करने जा रहे हैं तो पहले उसकी अच्छे से जांच-पड़ताल जरूर कर लें। पारिवारिक मनोरंजन संबंधी यात्रा का प्रोग्राम बनेगा जिससे बच्चे आपसे प्रसन्न रहेंगे। आपके द्वारा लिए गए निर्णय सकारात्मक और फायदेमंद रहेंगे। विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई में आ रही किसी परेशानी से राहत मिलेगी। जो युवा आज जॉब की तलाश में है, उनको आज किसी अच्छी जगह पर जॉब मिलेगी।

वृश्चिक राशि : आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज युवाओं को अपने अध्ययन और करियर में एकाग्रता रखने से उचित परिणाम मिलेंगे। आज बच्चों की समस्याओं का समाधान निकालने के लिए कुछ समय उनके साथ जरूर बिताएं। आज पेपर वर्क करते समय पहले अच्छी तरह जांच-पड़ताल कर लें। आमदनी में आज इजाफा होने से अपने आपको कुछ बेहतर महसूस करेंगे, परिवार का वातावरण शांत बना रहेगा। जीवनसाथी के साथ किसी रेस्टोरेंट में लंच करने जाएंगे।

धनु राशि : आज आपका दिन उमंग से भरा रहेगा। नौकरी पेशा वाले लोगों की अच्छी इनकम होगी। प्रॉपर्टी से जुड़ी समस्याओं के लिए भागदौड़ के उपरांत काम बन जायेगा। सगे सम्बन्धियों से अच्छे तालमेल बनेंगे। आज किसी जरूरतमंद की सहायता करने का मौका मिलेगा। आज आप किसी थीम पार्क घूमने जाने का प्लान बना सकते हैं, जहां अपने मित्रों के साथ खूब इंजॉय करेंगे। सिलाई का काम करने वालों को... अपने कस्टमर से अच्छा लाभ होगा।

मकर राशि : आज आपका दिन मिला-जुला रहने वाला है। आज आपको अपने व्यवहार में कुछ सुधार लाने की भी जरूरत है। क्योंकि कभी-कभी आपका जल्दबाजी और आवेश पूर्ण स्वभाव लोगों के लिए परेशानियां उत्पन्न कर देता है। महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह अवश्य लें।

कुंभ राशि : आज आपका दिन कार्यक्षेत्र में तरक्की दिलाने वाला रहेगा। आज किसी भी परिस्थिति में घबराने की वजह अपनी बुद्धि बल और कार्य क्षमता का उपयोग करेंगे तो समय रहते उचित हल भी निकल आएंगे। कुछ समय प्रैक्टिकल और प्रभावशाली लोगों के साथ व्यतीत करने से आपके स्वभाव में परिवर्तन आएगा।

मीन राशि : आज आपका मन उत्साहित रहेगा। जॉब कर रहे लोगों के लिए अच्छे ऑफर्स आने के योग बन रहे है, उनकी सैलरी में इजाफा होगा। आज कुछ समय एकांत या आध्यात्मिक स्थल पर जरूर व्यतीत करें। भाइयों के साथ चल रही अनबन आज किसी की सहायता से हल हो सकती हैं। आज टूर एंड ट्रेवल्स संबंधी व्यवसाय में सुधार आएगा। आज कार्यभार अधिक होने की वजह से ओवरटाइम करना पड़ेगा।

शब्द पहेली - 8390

1	2	■	3	4	5	■	6	7
8		9	■	10		11	■	
■	12		13		14		15	■
16		17		18		19		20
21	22		23		24		25	
26		27		28		29		
■	30		31		32		33	■
34		35		36		37		38
39			40			41		

बाएँ से दाएँ

1. अधिकार-2
3. समुद्र, दरिया-3
6. आनंद, रस-2
8. दबाना, कुचलना-3
10. गुंडा, बदमाश-3
12. पासों से भविष्य जानना-3
14. नाप जोख करना-3
17. जलजला-3
19. असफल-3
21. मगन, रत-2
23. व्यक्ति, जीव-3
25. सम्राट, नरेश-2
26. कार्य करने वाला-3
28. उपनदी, कैनाल-3
30. मां का प्रेम-3
32. पढ़ना, अध्ययन-3
35. पक्षाघात, फालिज-3
37. सेनापति-3
39. दूल्हा, वरदान-2
40. पक्ष, एक ओर-3
41. भीगा हुआ

ऊपर से नीचे

1. सीमा, सरहद-2
2. कटि, मध्यांग-3
4. दुख, कष्ट-2
5. गमन, विदा होना-3
7. शराब का प्याला-2
9. एक नमकीन लवण-3
11. आलेप करना-3
13. बोलने का तरीका-3
15. अयोग्य, बेकार-3
16. तहजीब, तमीज-3
18. रत्न, बहुमूल्य नग-3
20. व्यंग, परिहास-3
22. मुलायम, नाजुक-3
24. कॉफी-3
27. पंकज, नीरज, जलज-3
29. निर्माण-3
31. बल, दम, जोर-3
33. नेत्र, आंख-3
34. नौका-2
36. घात, प्रहार-2
38. जरा, थोड़ा-2

शब्द पहेली -8389 का हल

ब	द	न	■	चा	त	क	■	त
■	र्श	■	क	ल	ह	■	र	वा
ता	न	■	ह	■	खा	लि	स	■
क	■	का	र	खा	ना	■	भ	■
त	री	का	■	विं	■	श	रा	रा
■	मी	■	अ	द	र	क	■	ज
■	से	ह	रा	■	ह	■	आ	न
जा	न	■	ज	ही	न	■	स	■
म	■	म	क	र	■	स	न	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसार:-9931408109 ईमेल:-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

लीजेंड 90 क्रिकेट लीग में नजर आयेंगे धवन, रैना और टेलर सहित कई दिग्गज

मुम्बई। अगले माह होने वाली पूर्व क्रिकेटरों की लीजेंड 90 क्रिकेट लीग में शिखर धवन, सुरेश रैना और हरभजन सिंह जैसे दिग्गज खेलते नजर आयेंगे। ये लीग रायपुर में 6 से 18 फरवरी तक खेली जाएगा। इसमें भाग ले रही सभी फ्रेंचाइजी ने अपने-अपनी टीमें घोषित कर दी हैं। लीग में न्यूजीलैंड के बल्लेबाज रॉस टेलर, मार्टिन गुप्टिल, पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान आरोन फिंच भी खेलते हुए नजर आयेंगे। इस ट्रॉफी में छत्तीसगढ़ वारियर्स, हरियाणा ग्लेडिएटर्स, दुबई जॉइंट्स, गुजरात सैम्प आर्मी, दिल्ली रॉयल्स, बिग बॉयज, राजस्थान किंग्स जैसी 7 टीमें भाग लेंगी। इसमें छत्तीसगढ़ वॉरियर्स में मार्टिन गुप्टिल, सुरेश रैना और अंबाती रायडू शामिल जबकि हीं दिल्ली रॉयल्स के पास टेलर और धवन जैसे दिग्गज खिलाड़ी

हैं। वहीं हरियाणा ग्लेडियेटर्स के पास हरभजन सिंह जैसे कप्तान हैं। राजस्थान किंग्स की कप्तानी वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो जबकि दुबई जॉइंट्स की ओर से बांग्लादेश के पूर्व कप्तान शाकिब अल हसन उतरेंगे।

इसमें भागे लेने वाली टीमें हैं :

छत्तीसगढ़ वारियर्स- सिद्धार्थ कौल, शेल्डन जैक्सन, पवन नेगी, केवॉन कूपर, सुरेश रैना, विशाल कुशवाहा, मार्टिन गुप्टिल, अभिषेक सकुजा, अंबाती रायुडु, अमित वर्मा, गुरुकीरत सिंह मान, अमित मिश्रा, ऋषि धवन, कलीम खान, उन्मुक्त चंद, मनोज सिंह, अभिमन्यु मिथुन, कॉलिन डी ग्रैंडहोम

हरियाणा ग्लेडिएटर्स- पवन सुयाल, प्रवीण गुप्ता, अबू नीशम, अनुरीत सिंह, इमरान खान, असेला गुनारत्ने, इशांक जग्गी, हरभजन सिंह, नागेंद्र चौधरी, रिक्की क्लार्क, पीटर ट्रेगो, चैडविक वाल्टन, मनन शर्मा

दुबई जॉइंट्स- शाकिब अल हसन, थिसारा परेरा, केनर लुईस, केविन ओ ब्रायन, ब्रेंडन टेलर, लियाम प्लंकेट, ड्वेन स्मिथ, एच. मसाकद्ज़ा, रिचर्ड लेवी, ल्यूक फ्लेचर, राहुल यादव, क्रिस्टोफर एम, सिड त्रिवेदी, एस. प्रसन्ना

गुजरात सैम्प आर्मी- युसुफ पठान, मोइन अली, ओबस पिएनार, सौरभ तिवारी, केसरिक विलियम्स, जेसल करिया, मिगुएल कमिंस, चंद्रपॉल हेमराज, शापूर जादरान, मुहम्मद अशरफुल, विलियम पर्किन्स, नवीन स्टीवर्ट, चतुरंगा डी सिल्वा, मौसिफ खान

राजस्थान किंग्स- ड्वेन ब्रावो, अंकी राजपूत, फिल मस्टर्ड, शाहबाज़ नदीम, फैज फज़ल, शादाब जकाती, जसकरन मल्होत्रा, इमरान ताहिर, जयकिशन कोलसावाला, राजेश बिश्नोई, कोरी एंडरसन, पंकज राव, सैमुल्ला शिनवारी, रजत सिंह, एशले नर्स, दवलत जादरान, मनप्रीत गोनी

बिग बॉयज़ स्क्वाड- मैट प्रायर, इशान मल्होत्रा, मोनू कुमार, चिराग गांधी, तमीम इकबाल, तिलकरत्ने दिलशान, हर्शेल गिब्स, उपुल थरंगा, अब्दुर रज्जाक, शैनन गेब्रियल, वरुण आरोन, नील ब्रूम, करमवीर सिंह, रॉबिन बिस्ट, नमन शर्मा, कपिल राणा, विनोद चांवरिया

दिल्ली रॉयल्स- शिखर धवन, लेंडल सिमन्स, दनुश्का गनथिलका, एंजेलो परेरा, सहरद लुम्बा, बिपुल शर्मा, लखविंदर सिंह, राजविंदर सिंह, रेयाद इमरित, रॉस टेलर, जेरोम टेलर, सुमित नरवाल, परविंदर अवाना।

चैम्पियंस में कुलदीप भारत की ओर से अहम भूमिका निभाएंगे : विलियर्स

जोहांसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डी विलियर्स ने कहा है कि आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 में भारतीय टीम की ओर से लेग स्पिनर कुलदीप यादव अहम भूमिका निभाएंगे। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 19 फरवरी से शुरु होगी। इसके लिए भारतीय टीम घोषित हो गयी है। ऐसे में सभी की नजरें विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह पर लगी हैं। प्रशंसकों का मानना है कि विराट और बुमराह का प्रदर्शन चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम क लिए महत्वपूर्ण होगा। वहीं विलियर्स की राय अलग है। उनका मानना है कि कोहली को और बुमराह नहीं बल्कि कुलदीप भारतीय टीम के एक्स फैक्टर होंगे। अपने एक वीडियो में विलियर्स ने कहा कि इसका कारण ये है कि कुलदीप दुबई की स्पिन के अनुकूल पिचों पर प्रभावी हो सकते हैं क्योंकि यहीं भारतीय टीम को अपने सभी

मैच खेलने हैं। अपने सभी मैच खेलेगा। डीविलियर्स ने कहा, कुलदीप यादव भी भारतीय टीम में हैं, जो मुझे लगता है कि भारत के लिए एक्स-फैक्टर साबित हो सकते हैं। भारत अपने मैच दुबई में खेलने जा रहा है। वहां की पिच पर स्पिनरों को फायदा मिलता है जो कुलदीप भारत के लिए उठा सकता है। कुलदीप को चैम्पियंस ट्रॉफी से पहले इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से लय हासिल करने का अवसर मिलेगा। भारतीय टीम चैम्पियंस ट्रॉफी से पहले इंग्लैंड के खिलाफ 3 मैच की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी।

रणजी ट्रॉफी का आनंद लें विराट : हरभजन

उन्हें देखकर युवाओं को मिलेगी प्रेरणा

नई दिल्ली। दिग्गज स्पिन हरभजन सिंह ने पूर्व कप्तान विराट कोहली को सलाह दी है कि वह रणजी ट्रॉफी में खेलने का आनंद लें। हरभजन ने कहा कि इससे युवाओं को भी प्रेरणा मिलेगी और वे जान सकेंगे कि विराट जैसा बनने के लिए क्या करना होता है। विराट एक दशक से अधिक समय बाद घरेलू क्रिकेट खेलेने मैदान पर उतरे और उन्हें देखने भारी तादाद में भीड़ उमड़ पड़ी। इसी को लेकर हरभजन ने सोशल मीडिया में कहा कि विराट एक रोल मॉडल हैं। युवा उनकी ओर देखेंगे। अगर वह रन बनाते हैं या नहीं बनाते हैं, तो यह अलग बात है। साथ ही कहा कि अगर मैं विराट कोहली होता, तो इसका आनंद लेना होता। जब हम क्रिकेट खेलना शुरू करते हैं तो हम उसका आनंद लेते हैं पर जब आप विराट जैसे खिलाड़ी बन जाते हैं, तो दबाव और अपेक्षाएं सामने आ जाती हैं और आनंद पीछे रह जाता है। इसलिए मैं चाहता हूं कि वह खेल का आनंद लें और युवाओं को बताएं कि विराट कोहली कैसे बना जाता है। पूर्व स्पिनर का मानना है कि अगर विराज क्रीज पर समय बिताते हैं, तो स्वाभाविक रूप से उनके रन निकलेंगे। जब कोई उनके आंकड़ों पर करीब से नजर डालता है, तो लाल

गेंद के प्रारूप में उनका प्रदर्शन नाम के अनुरुप नहीं रहा है। पिछले साल 10 टेस्ट मैचों में उन्होंने 24.52 की औसत से केवल 417 रन बनाए, जिसमें केवल एक शतक और एक अर्धशतक शामिल था। हरभजन ने कहा कि इसका सामाधान क्रीज पर टिककर वह कर सकते हैं। साथ ही कहा कि जब वह बल्लेबाजी करने जाते हैं, तो उन्हें क्रीज पर कब्जा करना चाहिए और तीन से चार घंटे बिताने चाहिए। अगर विराट शून्य भी बनाते हैं, तब भी अपनी उपलब्धियों के कारण वह विराट ही रहेंगे।

अब कोच की भूमिका निभाएंगे पूर्व ओलंपियन मुक्केबाज मनोज कुमार

नई दिल्ली। पूर्व ओलंपियन मुक्केबाज मनोज कुमार अब कोचिंग करते हुए नजर आयेंगे। मनोज ने लाइट वेल्टरवेट 64 किग्रा में 2010 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। इसके साथ ही उनके नाम एशियाई चैंपियनशिप में दो कांस्य पदक भी हैं। राष्ट्रमंडल खेलों में दूसरा और अंतिम कांस्य पदक उन्होंने 2018 गोल्ड कोस्ट खेलों में जीता था। मनोज 2012 लंदन और 2016 रियो दि जिनेरियो दोनों में प्री क्वार्टरफाइनल में पहुंचे थे। इस मुक्केबाज ने कहा, ''अब मैं 40 साल का हो गया हूं तो मैंने खेल को अलविदा कह कर कोच के तौर पर काम करना तय किया है। अंतरराट्रीय नियमों के अनुसार अब में एमेच्योर प्रतियोगिताओं में भी हिस्सा नहीं ले सकता हूं।'' मनोज ने अपना मुक्केबाजी करियर

1997 में जूनियर स्तर पर शुरू किया था और 2021 में पटियाला में राष्ट्रीय खेल संस्थान से कोचिंग डिप्लोमा हासिल किया था। राष्ट्रीय महासंघ के साथ विवाद के कारण बीच के दौरा में उनका करियर गोल्ड कोस्ट राष्ट्रमंडल खेलों के बाद आगे नहीं बढ़ पाया और वह इसके बाद किसी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में शामिल नहीं किये गये।

पाक क्रिकेट शादाब विवादों में आये

लाहौर। पाकिस्तानी क्रिकेटर शादाब खान एक बार फिर विवादों में आ गये हैं। शादाब ने कहा है कि क्रिकेटरों के अभिनेत्रियों को संदेश भेजने में कोई गलती नहीं है। शादाब ने एक शो में कहा कि इस प्रकार की बातों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश जा रहा है। शादाब से शो में एक प्रशंसक ने पूछा था कि उन्होंने कभी अभिनेत्रियों को सोशल मीडिया पर संदेश भेजे हैं क्योंकि कई अभिनेत्रियों ने दावा किया था कि क्रिकेटर उन्हें सोशल मीडिया पर संदेश भेजते हैं। शादाब ने कहा कि जो सोशल मीडिया इस्तेमाल करते हैं उनके पास ऐसे संदेशों को ब्लॉक करने या अनदेखा करने की आजादी होती है। हर किसी के पास ब्लॉक करने का विकल्प होता है। अगर आपको यह पसंद नहीं है, तो जवाब न दें। शादाब की टिप्पणियां टिकटॉकर शहताज खान के दावों के जवाब में आई हैं, जिन्होंने पिछले साल आरोप लगाया था कि वह व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम पर उनके संपर्क में थी और शादाब ने उन्हें शादी का प्रस्ताव भी दिया था। हालांकि शादाब की शादी पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर सकलैन मुश्ताक की बेटी मलायका से हुई है। शहताज ने शादाब की शादी पर निराशा व्यक्त करते हुए दावा किया कि उस समय उन्हें पता नहीं था कि शादाब शादीशुदा है। उसने कहा कि जब उसकी

शादी हुई तो मैं निराश हो गई थी। मुझे लगता है कि जब आपका क्रश किसी और से शादी करता है तो यह एक सामान्य प्रतिक्रिया होती है।

व्यापार

बजट से पहले शेयर बाजार की तेज शुरुआत

सेंसेक्स 370 अंक चढ़ा, निफ्टी 23,400 के करीब

मुंबई। वैश्विक बाजारों से मिले अच्छे संकेतों की वजह से घरेलू अशेयर बाजार की शुक्रवार को बढ़त के साथ शुरुआत हुई। बीएसई सेंसेक्स 76,889 के स्तर पर खुला, जो पिछले बंद स्तर 76,759.81 की तुलना में 129.08 अंकों की बढ़त दर्शाता है। वहीं एनएसई निफ्टी50 47.25 अंक की तेजी के साथ 23,296.75 के स्तर पर खुला, जबकि पिछले सत्र में यह 23,249.50 पर बंद हुआ था। लार्सन एंड टुब्रो, टाटा कंज्यूमर, टाइटन कंपनी, विप्रो और इंफोसिस शुरुआती कारोबार में 3.63 फीसदी तक चढ़ गए। आईटीसी होटल्स, बजाज फिनसर्व, भारती एयरटेल, अडानी एंटरप्राइजेज और कोल इंडिया शुरुआती नुकसान में रहे। मुख्य सूचकांकों की तरह मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी सकारात्मक शुरुआत देखी गई। इसके अलावा आईटी, ऑटो, एफएमसीजी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और फार्मा सेक्टर में खरीदारी देखने को मिली, जबकि बैंकिंग

और फाइनेंशियल सर्विसेज सेक्टर दबाव में रहे। भारतीय शेयर बाजार की चाल शुक्रवार को 2025 के बजट समेत अमेरिकी क्यू4 जीडीपी डेटा, वैश्विक इक्विटी बाजारों में सकारात्मकता और तिमाही नतीजे पर निर्भर करेगी। इसके अलावा शुक्रवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण संसद में आर्थिक सर्वेक्षण जारी करेंगी, जिसमें बीते वित्तीय वर्ष के दौरान भारत की आर्थिक स्थिति की विस्तृत समीक्षा की जाएगी। यह रिपोर्ट केंद्रीय बजट से ठीक एक दिन पहले आती है और इसमें कृषि, उद्योग और सेवा क्षेत्रों में प्रमुख रुझानों के साथ-साथ विकास को गति देने और आर्थिक चुनौतियों का समाधान करने के लिए नीतिगत सुझाव दिए जाएंगे। वहीं शेयर बाजार गुरुवार को हरे निशान में बंद हुए। बीएसई सेंसेक्स 0.30 फीसदी बढ़कर 76,759.81 पर बंद हुआ, जबकि एनएसई निफ्टी50 में 0.37 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई और यह 23,249.50 के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में पॉजिटिव संकेत देखने को मिल रहे हैं। जापान का निक्केई 0.13 फीसदी चढ़ा और टॉपिक्स इंडेक्स में 0.1 फीसदी की बढ़त रही। जापान में जनवरी में ताजा खाद्य पदार्थों को छोड़कर महंगाई दर 2.5 फीसदी रही, जो अनुमानों के अनुरूप थी। दिसंबर में बेरोजगारी दर घटकर 2.4 फीसदी हो गई, जो अनुमानित 2.5 फीसदी से बेहतर रही। दक्षिण कोरिया का कोस्पी चार दिन की छुट्टी के बाद 0.8 फीसदी की गिरावट के साथ खुला। वहीं ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 इंडेक्स 0.4 फीसदी चढ़ा, क्योंकि वहां दिसंबर तक एक साल में उत्पादक मूल्य सूचकांक में 3.7 फीसदी की बढ़त दर्ज हुई। हांगकांग और चीन के बाजार लूनर न्यू ईयर के चलते बंद रहे। अमेरिकी बाजारों में भी तेजी देखने को मिली। डॉव जोन्स में 0.38 फीसदी, एसएंडपी 500 में 0.53 फीसदी और नैस्डैक में 0.25 फीसदी की तेजी रही। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा कनाडा और मैक्सिको से आयात पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद इन बाजारों में कुछ मुनाफावसूली देखने को मिली।

सोने के भाव रिकॉर्ड स्तर पर, चांदी के भी बढ़े दाम

सोने के भाव 82,400 रुपए के करीब, चांदी लगभग 94000 रुपए

नई दिल्ली। आम बजट से पहले सोने-चांदी के वायदा कारोबार में शुक्रवार को तेजी देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव तो बीते कुछ दिनों से नया रिकॉर्ड बना रहे हैं। शुक्रवार को इसके भाव 82,415 रुपये के सार्वजनिक उच्च स्तर पर पहुंच गए। चांदी के वायदा भाव भी तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 82,400 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 94000 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने-चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रेक्ट 145 रुपये की तेजी के साथ 82,199 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 366 रुपये की तेजी के साथ 82,410 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 82,357 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और

82,199 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। सोने के वायदा भाव ने आज 82,415 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 354 रुपये की तेजी के साथ 93,800 रुपये पर खुला। खबर लिखे जाने के समय यह 509 रुपये की तेजी के साथ 93,955 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 93,968 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 93,686 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। पिछले साल चांदी के वायदा भाव ने 1,00081 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरूआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,851.89 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,845.20 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 2.90 डॉलर की तेजी के साथ 2,848.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 32.76 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 32.49 डॉलर था। इस समय यह 0.13 डॉलर की तेजी के साथ 32.62 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

पिछले पांच वर्षों में प्रमुख क्षेत्रों में ढांचागत निर्माण में पूंजी व्यय 38.8 प्रतिशत बढ़ा: आर्थिक सर्वेक्षण

नई दिल्ली। आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार वित्त वर्ष 2020 से 2025 के दौरान प्रमुख क्षेत्रों में ढांचागत निर्माण में सरकारी पूंजी व्यय 38.8 प्रतिशत बढ़ा है। यह जानकारी केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में शुक्रवार को पेश आर्थिक सर्वेक्षण में दी। इसमें कहा गया है कि महत्वपूर्ण क्षेत्र में ढांचागत विकास की गति लगातार बनी हुई है। केंद्र सरकार का प्रमुख बुनियादी ढांचा क्षेत्रों पर पूंजीगत व्यय 2019-20 से 2023-24 तक 38.8 प्रतिशत की दर से बढ़ा है। 2024-25 में पूंजीगत व्यय में जुलाई से नवंबर 2024 के बीच तेजी आई। इसके अनुसार बिजली क्षेत्र में स्थापित क्षमता 7.2 प्रतिशत (वर्ष दर वर्ष) बढ़कर 456.7 गीगावाट हो गई। कुल नवीकरणीय ऊर्जा स्थापित क्षमता में 15.8 प्रतिशत की वृद्धि

हुई है। दिसंबर 2024 (वर्ष दर वर्ष) में यह 209.4 गीगावाट तक पहुंच गई। शहरी क्षेत्रों में दैनिक औसत बिजली आपूर्ति वित्त वर्ष 2014 में 22.1 घंटे से बढ़कर वित्त वर्ष 24 में 23.4 घंटे और ग्रामीण क्षेत्रों में वित्त वर्ष 2014 में 12.5 घंटे से बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में 21.9 घंटे हो गई। आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार 10,700 गांव तक दूरस्थ क्षेत्रों में दिसंबर 2024 तक 4जी मोबाइल सेवाएं पहुंचाई गई हैं। 2031 किलोमीटर रेलवे नेटवर्क पिछले साल अप्रैल से नवंबर तक कमीशन किया गया है। 17 नई वंदे भारत ट्रेन अप्रैल से अक्टूबर के बीच में चलाई गई हैं। 5853 किलोमीटर का राष्ट्रीय राजमार्ग अप्रैल से दिसंबर के दौरान तैयार किया गया है। इसके अलावा जल जीवन मिशन के तहत 12 करोड़ परिवारों को पाइप से पेयजल उपलब्ध कराया गया है। 'ओडीएफ प्लस' गांवों (मॉडल श्रेणी) की संख्या 3.64 लाख तक पहुंच गई है। पीएमएवाई-शहरी के तहत 89 लाख घरों का निर्माण पूरा हुआ है। देश भर के 29 शहरों में मेट्रो रेल और रैपिड रेल ट्रांजिट सिस्टम चालू हैं या निर्माणाधीन हैं। वर्तमान में 23 शहरों में 1010 किलोमीटर चालू हैं और अतिरिक्त 980 किलोमीटर का काम चल रहा है। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत, 13 जनवरी 2025 तक, 1.64 लाख करोड़ रुपये की कुल 8,058 परियोजनाएं प्रस्तावित की गई हैं, जिनमें 1.50 लाख करोड़ रुपये की 7,479 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं।

रुपया तीन पैसे टूटकर 86.65 प्रति डॉलर पर

रुपया गुरुवार को सात पैसे टूटकर 86.62 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था

मुंबई। आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 जारी होने से पहले रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार करता हुआ तीन पैसे टूटकर 86.65 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 86.63 पर खुला और फिर फिसलकर 86.65 पर आ गया, जो पिछले बंद भाव से तीन पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया गुरुवार को सात पैसे टूटकर 86.62 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.37 प्रतिशत की बढ़त के साथ 108.20 पर रहा।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में पेश किया 2024-25 का आर्थिक सर्वेक्षण

वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जीडीपी वृद्धि दर 6.3 से 6.8 फीसदी रहने का अनुमान

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतामरण ने शुक्रवार को बजट सत्र के पहले दिन लोकसभा और राज्यसभा में आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 पेश किया। संसद में राष्ट्रपति के संयुक्त अभिभाषण के बाद लोकसभा की कार्यवाही 1 फरवरी को सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण शनिवार को 2025-26 का केंद्रीय बजट संसद में पेश करेंगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के तीसरे कार्यकाल का केंद्रीय बजट 2025-26 शनिवार को पेश किए जाने से पहले केंद्रीय वित्त मंत्री ने संसद के दोनों सदनों में आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 पेश किया। इसमें चालू वित्त वर्ष में अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन का आधिकारिक आकलन प्रस्तुत किया गया है। आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर 6.3 से 6.8 फीसदी के बीच रहने का अनुमान लगाया गया है। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह में 11 फीसदी की वृद्धि का अनुमान है, जो 10.62 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। आर्थिक सर्वेक्षण चालू वित्त वर्ष

में अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन के आकलन के साथ देश के समक्ष चुनौतियों को बयां करती है। आर्थिक समीक्षा एक वार्षिक दस्तावेज है, जिसे सरकार केंद्रीय बजट से पहले अर्थव्यवस्था की स्थिति की समीक्षा के लिए पेश करती है। यह सुधारों और विकास का खाका भी प्रदान करती है। यह सर्वेक्षण मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंथा नागेश्वरन के नेतृत्व में आर्थिक मामलों के विभाग के आर्थिक प्रभाग ने तैयार किया है। पहला आर्थिक सर्वेक्षण 1950-51 में पेश किया गया था। उस समय यह बजट दस्तावेज का हिस्सा होता था, जिसे 1960 के दशक में केंद्रीय बजट से अलग करके बजट से एक दिन पहले पेश किया जाने लगा।

स्काई फोर्स ने इमरजेंसी समेत इन 3 फिल्मों को पछाड़ा

बनीं 2025 की अबतक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली बॉलीवुड फिल्म

स्काई फोर्स ने बॉक्स ऑफिस पर पांच दिन पूरे कर लिए हैं. अक्षय कुमार, वीर पहाड़िया, सारा अली खान और निमरत कौर की फिल्म ने पहले वीकेंड में शानदार कमाई की. फिल्म ने पहले ही वीकेंड पर 50 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है और 100 करोड़ी बनने के लिए तैयार है. हालांकि, पूरे सप्ताह के दौरान गति बनाए रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है. मेकर्स के मुताबिक, स्काई फोर्स ने पहले वीकेंड पर भारत में जहां 73.20 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया. वहीं दुनियाभर में इसने 92.90 करोड़ रुपये कमाए. 24 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई स्कारई फोर्स ने ओपनिंग डे पर 15.30 करोड़ रुपये का बिजनेस किया. जबकि दूसरे और तीसरे दिन क्रमश: 26.30 करोड़ और 31.60 करोड़ रुपये की कमाई की. रिपोर्ट में कहा गया है कि स्काई फोर्स ने चौथे दिन (शुरुआती अनुमानों के अनुसार) 6 से 7 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया. वहीं, मेकर्स ने पुष्टि की कि फिल्म ने पहले सोमवार को 8.10 करोड़ रुपये का कारोबार किया है. चार दिनों के बाद फिल्म ने 81.30 करोड़ रुपये की कुल कमाई की है. अब बात करें तो 5वें दिन की तो सैकनिल्क के मुताबिक, अक्षय कुमार और वीर पहाड़िया की फिल्म स्काई फोर्स ने 5वें दिन 5.75 करोड़ रुपये कमाए है. यह अब तक फिल्म का सबसे कम सिंगल डे कलेक्शन है, जो अपने शुरुआती वीकेंड में डबल डिजिट में कमाई कर रही थी. इस तरह स्काई फोर्स का 5 दिनों का कुल कलेक्शन 87.05 करोड़ रुपये हो गए हैं. स्काई फोर्स वर्तमान में 2025 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली बॉलीवुड फिल्म है. अभिषेक अनिल कपूर, संदीप केवलानी की निर्देशित फिल्म एक्शन ड्रामा स्काई फोर्स से पहले इंडस्ट्री में तीन अन्य फिल्में रिलीज हुई हैं- इमरजेंसी, आजाद और फतेह.

धूम धाम का ट्रेलर रिलीज यामी गौतम और प्रतीक गांधी की शादी में घुसे बिन बुलाए बाराती

पिछले कई दिनों से फिल्म धूम धाम चर्चा में है। इस फिल्म में यामी गौतम और प्रतीक गांधी ने मुख्य भूमिका निभाई है और इसके जरिए ये दोनों कलाकार पहली बार साथ आए हैं। कुछ दिन पहले फिल्म के पोस्टर और टीजर सामने आया था, जिस पर लोगों ने जमकर प्यार लुटाया। अब इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है। लोगों ने इस पर क्या प्रतिक्रिया दी है, आइए जानते हैं। यामी और प्रतीक केमिस्ट्री शानदार लग रही है। दोनों की शादी होती है और शादी की पहली रात ही तब बवाल हो जाता है, जब उनकी शादी में अनचाहे बाराती या कहें गुंडे घुस जाते हैं। शादी का मंडप जंग का मैदान बन जाता है और कोयल बनीं यामी और वीर बने प्रतीक की जिंदगी में भूचाल आ जाता है। इस नई-नवेली जोड़ी की पहली रात की कहानी मजेदार लग रही है, वहीं यामी की कॉमेडी भी देखने लायक है। प्रतीक की एक्टिंग भी लाजवाब है। वह एक बेहतरीन अभिनेता हैं। उन्हें कैसा भी किरदार दे दिया जाए, वो उसमें हर बार अव्वल नंबरों से पास हुए हैं। उन्होंने गंभीर से लेकर कॉमेडी किरदार बेहतरीन तरीके से निभाए हैं। कहीं न कहीं कॉमिक किरदारों के लिए प्रतीक को ज्यादा वाहवाही मिली है। पिछली बार आई उनकी फिल्म मडगांव एक्सप्रेस में भी प्रतीक की कॉमेडी लोगों को पसंद आई थी। अब वह अपने कॉमेडी अवतार में वापस लौट आए हैं। ट्रेलर देख एक यूजर ने लिखा, यामी बेहद प्रतिभाशाली और खूबसूरत हैं, लेकिन कोई भी उनकी प्रतिभा अब तक बखूबी भुना नहीं पाया है। एक ने लिखा, बड़े टाइम बाद ऐसी कॉमेडी फिल्म देखने को मिलेगी। ट्रेलर के बाद अब इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार है। एक लिखते हैं, ये दोनों ही कलाकार जबरदस्त हैं और इनकी कॉमेडी भी बढ़िया है। ट्रेलर ने उम्मीद और बढ़ा दी है। एक ने लिखा, एजाज खान ने भी चार चांद लगा दिए। धूम धाम रोमांस और कॉमेडी से भरपूर मनोरंजक फिल्म है। इस फिल्म के लेखक यामी के पति आदित्य धर हैं। शादी से पहले यामी और आदित्य ने ब्लॉकबस्टर फिल्म उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक में साथ काम किया था, जिसके हीरो विक्की कौशल हैं। धूम धाम 14 फरवरी को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है। अब यह तो फिल्म की रिलीज के बाद ही पता चलेगा कि कोयल और वीर की शादी में क्या तूफान मचता है।

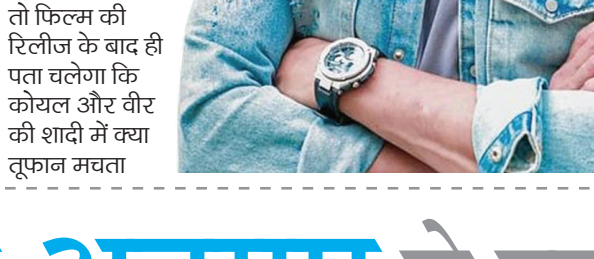

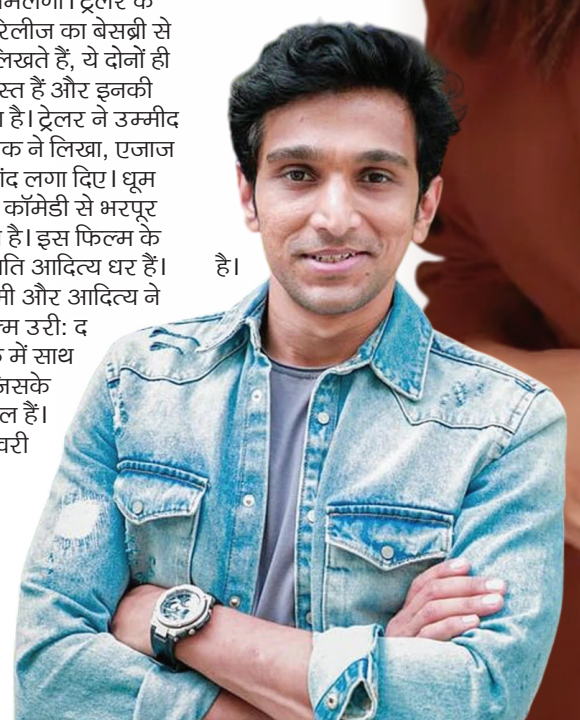

एली अवराम ने इलू इलू 1998 में अपनी भूमिका के बारे में जानकारी साझा की

अपनी आगामी फिल्म 'इलू इलू 1998 की तैयारी कर रहीं अभिनेत्री एली अवराम ने फिल्म में अपने किरदार के बारे में बताया है। अभिनेत्री ने बताया कि वह फिल्म में गोवा की कैथोलिक अंग्रेजी शिक्षिका की भूमिका निभा रही हैं। अपनी आकर्षक छवि और स्क्रीन पर अपनी आकर्षक उपस्थिति के लिए मशहूर अभिनेत्री इस अनोखी, दिल को छू लेने वाली ड्रामा फिल्म में 1998 की रंगीन अराजकता में एक पुरानी यादों को ताजा कर रही हैं। इस फिल्म का निर्देशन अजिंक्य बापू फाल्के ने किया है और यह रोमांस, कॉमेडी और दिल को छू लेने वाली पुरानी यादों का एक बेहतरीन मिश्रण है। फिल्म का शीर्षक 90 के दशक के मशहूर कैचफ्रेज़ से लिया गया है जो आज भी मीठी यादें ताज़ा कर देता है। फिल्म के बारे में बात करते हुए एली अवराम ने कहा, जब मैंने पहली बार इलू इलू 1998 की स्क्रिप्ट पढ़ी, तो मैं तुरंत सुश्री पिंटो के किरदार की गहराई और आकर्षण से आकर्षित हो गई। मैं एक गोवा कैथोलिक अंग्रेजी शिक्षिका की भूमिका निभा रही हूँ। अभिनेत्री ने आगे बताया, वह गर्मजोशी, ताकत और सूक्ष्म जटिलताओं से भरी एक महिला हैं, और मैंने उन्हें जीवन में उतारना एक रोमांचक चुनौती के रूप में देखा। मराठी सिनेमा में अपनी शुरुआत करना एक कलाकार के रूप में मेरे लिए एक स्वाभाविक प्रगति की तरह लगा, और मैं इस जीवंत उद्योग का पता लगाने के लिए उत्सुक थी। जैसे ही मैंने शीर्षक सुना, मैंने कहा, हे भगवान, *इलू इलू! मैं इसमें हूँ! यह फिल्म 90 के दशक के लिए मेरा प्रेम पत्र है - फैशन, संगीत, ड्रामा - और मैं इस विचित्र सवारी से सभी के प्यार में पड़ने का इंतजार नहीं कर सकती। चलिए बस इतना ही कहूँ कि 1998 बुला रहा है, और मैं पूरी तरह से फिल्मी अंदाज में इसे अपना रही हूँ। एली विंटेज आउटफिट्स पहने, पेपी रेट्रो बीट्स पर थिरकती और उस दौर को अपनाती नज़र आएंगी जब मिक्सटेप्स और लैंडलाइन का बोलबाला था। यह फिल्म 31 जनवरी को रिलीज़ होने वाली है।

शरवरी वाघ ने लेटेस्ट लुक से इंटरनेट पर बरपाया कहर, वन पीस ड्रेस पहन कैमरे के सामने दिए एक से एक पोज

बॉलीवुड एक्ट्रेस शरवरी वाघ आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम पर फैंस के बीच शेयर करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं। हालांकि इन तस्वीरों में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक्ट्रेस शरवरी वाघ इन दिनों अपनी एक्टिंग और फैशन सेंस को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं। उनका कातिलाना अंदाज अक्सर इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार से उनके हुस्न के कायल हो गए हैं। शरवरी वाघ की इन फोटोज में आप देख सकते हैं उन्होंने ब्राउन कलर की बेहद ही स्टाइलिश ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक स्टनिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। बालों को मेसी लुक देकर, लाइट मेकअप और न्यूड ब्राउन शेड लिप्सटिक लगाकर एक्ट्रेस शरवरी वाघ ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक स्टाइल को फॉलो करते हैं। फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस कैमरे से सामने प्यारी सी स्माइल देते हुए फोटोज क्लिक करवा रही हैं। उनकी इस खूबसूरत स्माइल को देखकर फैंस अपना दिल हार गए हैं।शरवरी वाघ सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

Sonia Gandhi Shocking Insult Of President Murmu Sparks Controvery

Agency: A massive controversy erupted after former Congress President Sonia Gandhi allegedly insulted President Droupadi Murmu calling her 'poor lady', following the latter's joint address on the first day of the Budget Session. Sonia Gandhi's distasteful remark for the President of India shows Congress' mindset. Sonia Gandhi and the Indian National Congress is in the spotlight for its alleged insult to the President of India, Droupadi Murmu. The former Congress Chief's remark towards President Murmu, after her joint address at the Parliament Budget Session Day 1, on camera has caused quite a stir. While speaking to the media, Sonia Gandhi insulted President Murmu and said,"...The President was getting very tired by the end...She could hardly speak, poor lady." Sonia Gandhi mocked the President of India over her address during the Parliament Joint Session ahead of the Budget, calling her 'poor lady'.

Apart from Sonia Gandhi, her son, Leader of Opposition of Lok Sabha, Rahul Gandhi also disrespected the President of India and called her boring. After President Murmu's joint address, Rahul Gandhi, while talking to his mother on camera, called the President's speech 'boring' and that 'she was repeating the same things again and again'. President Droupadi Murmu on Friday hailed the government for its achievements in empowering the poor, middle class and women in the country. Addressing the joint session of the Parliament ahead of the economic survey the president said that the government's mantra is "Sabka Sath, Sabka Vikas, Sabka Vishwas, Sabka Prayas". Before starting her address, the President paid homage to former prime minister Manmohan Singh who passed away recently. She also offered tributes to the victims of the Maha Kumbh stampede. "The historic Mahakumbh is also going on in the country. Mahakumbh is a festival of India's cultural identity and social enlightenment. Crores of devotees have already taken the holy dip in Mahakumbh. I express grief over the incident that happened in the Mouni Amavaasya. I pray for the speedy recovery of the injured." During her address, she said, "My government believes in empowering the country under the leadership

of women." "The third term of the government is witnessing work at thrice the speed of previous administrations. The government has taken big decisions on issues such as Waqf boards and One Nation, One Election, My government believes in women-led development in the country.

The government aims to have 3 crore 'Lakhpati didi'," President Murmu added. "Today, India is making its presence felt as a major global player in the field of digital technology... Developed nations of the world are also impressed with the success of India's UPI transactions system, My Government has used digital technology as a tool for social justice and equality," she further said. "Our aim is to make India a global innovation powerhouse. In the area of artificial intelligence, India AI Mission has been started," the President emphasised.

Khalistani Terrorists Incited Manipur Christians To Secede: Centre

Agency: A banned Khalistani organisation headed by Gurpatwant Singh Pannun, who was designated as a terrorist by India in July 2020, incited Muslims, Tamils and Christians from Manipur to secede from India, a background note from intelligence agencies which formed part of a Home Ministry tribunal order has said. The banned organisation Sikhs for Justice (SFJ) also planned terror activities that include threats to Prime Minister Narendra Modi, Union Home Minister Amit Shah and National Security Adviser Ajit Doval, the background note said in the tribunal order, which the government published in a gazette notification extending the ban on SFJ for another five years.

"Dividing people on communal lines by provoking minority communities against the other communities has become a major tool for SFJ to push up its anti-India agenda. SFJ have been inciting the Christian community in Manipur to raise their voices for a 'separate country', the people of Tamil Nadu to raise flags of 'Dravidstan' and have been stoking Muslim sentiments by raising the bogey of 'minority persecution' and exhorted Muslims of India to carve out a separate 'Urduistan'," the note prepared by intelligence agencies said.

"Further, SFJ urged the Dalits of India to extend support for its secessionist exercise, citing their 'persecution' in the hands of the Indian government. SFJ has also been involved in provoking the farmers of Punjab and Haryana over farm bills," it said. The valley-dominant Meitei community and over a dozen distinct tribes collectively known as Kuki, who are dominant in some hill areas of the state that shares an open border with Myanmar, have been fighting since May 2023 over a range of issues such as land rights and political representation. Major border fencing work started only recently. A majority of the Meiteis are Hindus, while some are Christians and Meitei Pangals (Muslims). The Kuki tribes are Christians. Other major tribes such as the Nagas are also Christians. The Naga insurgent group NSCN(IM) has been in talks with the Centre for a long time. Of the 39 terrorist organisations banned by the Ministry of Home Affairs (MHA), eight are Meitei outfits from Manipur such as the People's Liberation Army (PLA) and the Kanglei Yaol Kanba Lup (KYKL). The general category Meiteis want to be included under the Scheduled Tribes category, while the Kukis whose kindred tribes live in neighbouring Myanmar's Chin State and Mizoram, want a separate administration carved out of Manipur, citing discrimination and unequal share of resources and power with the Meiteis.

Motihari LND College Make Waves In Higher Education

✍Sagar Suraj

MOTIHARI : Laxmi Narayan Dubey (LND) college in Motihari has secured a significant grant of 10 crores from the PM Usha yojna making waves in the education sector in Bihar. The grant is aiming to implement the Gender Inclusion and Equality Initiative Scheme in this highly acclaimed unit of BRA Bihar university. "This prestigious award is a testament to the college's commitment to promoting equality and inclusivity", said Rajesh Kumar Principal of the institution.

He said that The grant will be utilized to construct a G+3 multipurpose building, worth 5.5 crores. The remaining amount will be allocated towards introducing various vocational courses, such as financial literacy, communication skills, and computer literacy, as well as upgrading laboratories and installing smart boards. Notably, LND College is one of only five colleges in Bihar to receive this grant, which will enable it to become a nodal college in the district. The college has also achieved a B grade in the NAAC second cycle evaluation .

Principal Prof. (Dr.) Rajesh Kumar Sinha expressed satisfaction with the NAAC evaluation, highlighting the college's progress despite a low student-teacher ratio. The college plans to introduce postgraduate and professional courses in various subjects in the coming years. On this occasion, Dr. Subodh Kumar, Dr. Durbadal Bhattacharya, Prof. Durgesh Mani Tiwari, Dr. Deepak Kumar, Dr. Rakesh Ranjan Kumar, Dr. Kumar Rakesh Ranjan, Prof. Arvind Kumar, Dr. Prabhakar Kumar, Dr. Raviranjan Singh, Dr. Anita Kumari, Dr. Kavita Kumari, Principal Assistant Rajiv Kumar, Kamesh Bhushan, Dr. Bhuvaneshwar Singh, Sanjeev Kishore, Mani Bhushan, Amit Kumar, Akhilesh Kumar, Ashutosh Kumar, Alok Pandey etc. were present

GDP Growth At 6.3-6.8%, Inflation To Stay Under Control: Economic Survey

Agency: India is expected to record GDP growth of 6.3-6.8 per cent in the financial year 2025-26, said the Economic Survey tabled in Parliament on Friday. This is in line with the International Monetary Fund's projection of the growth rate at 6.5 per cent between FY26 and FY27. As per the first advance estimates of national accounts, India's real GDP is estimated to grow by 6.4 per cent in FY25. Growth in the first half of FY25 was supported by agriculture and services, with rural demand improving on the back of record Kharif production and favourable agricultural conditions. According to the Economic Survey tabled by Finance Minister Nirmala Sitharaman, India displayed steady economic growth despite global headwinds The survey stated that the manufacturing sector faced pressures due to weak global demand and domestic seasonal conditions. Private consumption remained stable, reflecting steady domestic demand, it said. Also, fiscal discipline and strong external balance supported by a services trade surplus and healthy remittance growth contributed to macroeconomic stability. Together, these factors provided a solid foundation for sustained growth amid external uncertainties, the survey said.The survey highlighted that India's economic prospects for FY26 are balanced. Rural demand backed by a rebound in agricultural production, an anticipated easing of food inflation and a stable macro-economic environment provide an upside to near-term growth. Overall, India will need to improve its global competitiveness through grassroots-level structural reforms and deregulation to reinforce its medium-term growth potential. Headwinds to growth include elevated geopolitical and trade uncertainties and possible commodity price shocks. Domestically, the translation of order books of private capital goods sector into sustained investment pick-up, improvements in consumer confidence, and corporate wage pick-up will be key to promoting growth, it said. The survey suggested that navigating global headwinds would require strategic and prudent policy management and reinforcing the domestic fundamentals.Earlier, the Budget session of Parliament commenced with President Murmu addressing the joint sitting of the Lok Sabha and the Rajya Sabha.The government has listed 16 draft legislations for consideration, including a Bill to regulate immigration and another to amend the Waqf Act of 1995.

Highlights from the Economic Survey

- Fundamentals of Indian economy remain robust with strong external account and stable private consumption.
- Food inflation likely to soften in Q4 FY25 with seasonal easing of vegetable prices, Kharif harvest arrivals.
- India's economic prospects for FY26 balanced. Headwinds to growth include elevated geopolitical, trade uncertainties.
- Navigating global headwinds will require strategic, prudent policy management and reinforcing domestic fundamentals.
- India needs to improve global competitiveness through grassroots-level structural reforms, and de-regulations, says Survey.
- Inflation risk from higher commodity prices seems limited in FY26, geopolitical tensions still pose risk.
- Lack of appropriate governance framework for AI may lead to potential abuse or misuse of technology.
- Economic Survey says insolvency law's deterrent effect has led thousands of debtors resolving distress in early stages.
- Entry costs, information asymmetry must be addressed to boost liquidity in corporate bond market.
- Rupee depreciation in 2024 mainly due to strong US dollar amid geopolitical tensions, uncertainty around US election.

No Opening Ceremony or Captain's Photoshoot For Champions Trophy

Agency: In what could be labelled as a major setback for Pakistan , reports suggest that there will be no Opening Ceremony or Captain's Photoshoot ahead of CT 2025. This surely comes as a jolt for the country who were looking forward to hosting a grand opening ceremony. But, why has the photoshoot and Opening ceremony called off? Is the tensions between India and Pakistan the reason behind it? No, that is not the reason behind the call-off. As per reports, Australia and England would reach Pakistan late and that is being seen as the reason for the call-off. England and Australia are also set to skip their warm-up games before the marquee event. "Traditional pre-tournament events, including the press conference featuring all eight captains and the official photo shoot in Karachi, have also been cancelled. Indian captain Rohit Sharma

will not be travelling to Karachi for the captains' conference, dispelling earlier speculations from Indian media," the by Geo TV report claimed. Amid rising concerns over the readiness of Champions Trophy venues in the country, the Pakistan Cricket Board (PCB) has said that the iconic Gaddafi Stadium here would be handed over to the ICC on February 11, little over a week before the start of the ODI showpiece. A Pakistan Cricket Board source told PTI that the stadium will be handed over to the International Cricket Council (ICC), "for branding and other stuff on February 11" after Pakistan's tri-series against New Zealand and South Africa.

No spark from foreign lands: PM Modi takes dig at Opposition

Agency: Prime Minister Narendra Modi on Friday took a swipe at the Opposition over lack of any "spark from foreign lands" on the eve of a Parliament session for the first time in a decade. "This is the first time in over ten years that I have been here and that there has been no spark of any kind from foreign shores on the eve of our Parliament session. There has been no attempt at any shararat, no foreign conspiracy," said the prime minister in his customary address on the eve of the budget session of Parliament commencing today. He was referring to a range of issues the Opposition has raised in the past on the eve of Parliament sessions -- most lately the now-shut US short-seller Hindenburg's allegations of stock manipulation against Indian industrialist Gautam Adani and earlier, the Pegasus surveillance software issue and much earlier the Rafale deal with France. The Prime Minister said this is the first time no spark of conspiracy has erupted from any nook or corner of any foreign land. The PM also said the Budget session would lay the ground to give wings to Indian dreams of Viksit Bharat.He also urged the Indian youth to participate in the journey of Viksit Bharat by 2047 recalling the contribution of the youth in the Indian freedom movement. The PM added there was no attempt to create any mischief this time.

EC team reaches Mann's Delhi house after 'cash distribution' complaint

Agency: A major controversy erupted on Thursday when the Election Commission's Flying Squad Team (FST) along with the Delhi Police reached Kapurthala House, the residence of Chief Minister Bhagwant Mann here, after it was alerted about alleged distribution of cash from there. However, officials present there did not allow the team to enter the CM's house following which the Returning Officer of the New Delhi constituency, OP Pandey, also reached the spot to speak to Punjab Government officials about the matter. According to officials, the Returning Officer had received a complaint regarding the alleged distribution of cash at Kapurthala House, which falls under the jurisdiction of the New Delhi Assembly constituency. The complaint was received via the cVIGIL app, a platform where any citizen can report alleged violations of the model code of conduct. "As per the standard protocol, the FST of the New Delhi constituency, stationed nearby was assigned the task by the control room to investigate the complaint and close it by taking appropriate action within the stipulated 100-minute time-frame," an official told The Tribune. On getting the complaint, the FST reached the Kapurthala House. However, the team was not permitted by the security personnel to enter the premises to verify the complaint. Later, the FST filed a complaint with the police regarding non-compliance of the procedure. The development led to another political showdown with AAP leaders attacking the BJP for EC's action and calling it a political witch-hunt.

Not able to attend Budget session, MP Rashid to go on hunger strike from today

Agency: Jailed Lok Sabha MP and Awami Ittehad Party chief Sheikh Abdul Rashid, popularly known as Engineer Rashid, will begin a hunger strike inside Tihar Jail to protest against being denied permission to attend the Budget session of Parliament, which begins on Friday. In a letter addressed to Lok Sabha Speaker Om Birla, Rashid stated that he would start his hunger strike on the first day of the Budget session. "I request you to intervene and ensure that I am able to attend the upcoming Budget session. If that does not happen, I have no option but to wake and shake the conscience of 140 crore Indians and the institutions of this country," Rashid wrote. He further stated, "I will go on a hunger strike from January 31 to remind everyone that my people cannot be deprived any longer of their legitimate political rights— both inside and outside Parliament." Rashid's party recently announced that they have moved the Delhi High Court seeking bail for the Baramulla MP, who is in jail in connection with a terror-funding case. In his letter, Rashid described it as "unfortunate" that despite receiving official communication from the Lok Sabha Secretariat regarding the President's order to convene the session, he has not been allowed to attend even a single day. He argued that this effectively leaves 40% of Kashmir's population, spread over four districts, without representation in Parliament. "Isn't it strange, and a mockery of democracy, to invite me to attend the House but then not actually allow me to do so?"